गैरसैंण, सोमवार
16 मार्च 2026
वर्षः 16
अंकः 290 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

दोस्त बनाते रहे वीडियो, युवक गंगा में बह गया

हरिद्वार। हरकी पैड़ी क्षेत्र में शनिवार रात गंगा में नहाते समय एक युवक बह गया, जबकि उसके दोस्त पास खड़े होकर वीडियो बनाते रहे। बाद में जब उनको युवक के बहने का अहसास हुआ तो सबके होश उड़ गए। सूचना के बाद पुलिस ने सर्च अभियान चलाया, लेकिन अब तक युवक का पता नहीं चल पाया है। पुलिस के अनुसार, 26 वर्षीय उत्सव जौहरी पुत्र अजय जौहरी निवासी के-1017 सेक्टर-23 संजयनगर गाजियाबाद शनिवार को चार दोस्तों के साथ हरिद्वार घूमने आया था। बताया जा रहा कि रात के समय सभी युवक हरकी पैड़ी स्थित सुभाष घाट के पास गंगा में नहा रहे थे। इसी बीच, उत्सव ने रेलिंग से गंगा में छलांग लगाई। तेज बहाव में वो खुद को संभाल नहीं पाया और बहता चला गया। इधर, पुलिस, जल पुलिस और गोताखोरों की टीमें लगातार युवक की तलाश कर रही हैं। आसपास के गंगाघाट पर भी अभियान चलाया जा रहा है। लेकिन, अब तक कोई सफलता नहीं मिली है।सोशल मीडिया पर वीडियो वायरलअबका एक वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बताया जा रहा कि युवक के साथ आए दोस्तों ने ही यह वीडियो बनाया था, लेकिन तब किसी को अंदाजा नहीं था कि उत्सव गंगा में बह रहा है। बाद में स्थिति का पता चलने पर सभी घबरा गए और पुलिस को सूचना दी गई।प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, युवक ने सुभाष घाट के पास रेलिंग से गंगा में छलांग लगाई थी। आशंका है कि छलांग लगाते समय उसे चोट लगी होगी, जिससे वह संभल नहीं पाया और बह गया। सर्च अभियान जारी है।–संजीत कंडारी, चौकी प्रभारी–हरकी पैड़ी

बारिश के बाद सुहावने मौसम का लुत्फ उठाने पहुंचे पर्यटक

नैनीताल। रविवार की छुट्टी मनाने सुबह से ही पर्यटक मालरोड, मल्लीताल बाजार, पंत पार्क, जू सड़क, हिमालय दर्शन और बारापत्थर क्षेत्र में घूमते दिखाई दिए। हालांकि, मौसम खराब होने के बावजूद पर्यटक पहाड़ की सुंदर वादियों का लुत्फ उठाने पहुंचे। बारापत्थर में सैलानियों ने घुड़सवारी का आनंद लिया। दोपहर हल्की धूप खिलते ही पर्यटक नैनीझील में नौकायन करते नजर आए। बारिश की वजह से बढ़ी ठंड के चलते भोटिया मार्केट, मॉलरोड और आसपास के बाजारों में पर्यटक घूमते और गर्म कपड़ों की खरीदारी करते नजर आए। कपड़ा व्यापारी राहुल कुमार ने बताया कि बारिश के चलते बाजार में गर्म कपड़ों का कारोबार अच्छा हुआ। नाव चालक समिति के अध्यक्ष राम सिंह बिष्ट ने बताया कि बीते शनिवार से शहर में पर्यटकों के आगमन से रौनक छाई है। रविवार को सुबह बारिश होने से कारोबार धीमा रहा। दोपहर बाद धूप खिलने से नौकायन के लिए जमकर पर्यटक पहुंचे ।

राजपुरा में विवाहिता ने फंदा लगाकर जान दी

हल्द्वानी। राजपुरा क्षेत्र में 24 साल की विवाहिता मौत हो गई। परिजनों के अनुसार शनिवार रात पिंकी का पति राजकुमार से किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था।

इसके बाद पति घर से चला गया। कुछ देर बाद पिंकी ने घर में पंखे पर फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। परिजनों ने उसे डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। रविवार को पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

खंडहरनुमा भवन से मिला नेपाली मूल के व्यक्ति का कंकाल

बागेश्वर। क्षेत्र में उस समय सनसनी फैल गई जब एक खंडहरनुमा मकान से नेपाली मूल के व्यक्ति का कंकाल बरामद हुआ है। मृतक की पहचान नेपाली मजदूर के रूप में हुई है, जो पिछले सात महीनों से लापता बताया जा रहा था। कपकोट क्षेत्र में स्थित एक खंडहर में विनोद नेपाली रहता था। बताया जा रहा है कि वह काफी समय से यहां अकेले रह रहा था और अचानक सात महीने पहले लापता हो गया था। इसके बाद से उसका कोई पता नहीं चल पाया था। रविवार को कुछ बच्चे खंडहर के पास मोबाइल से रील बना रहे थे। इसी दौरान उन्हें अंदर मानव कंकाल दिखाई दिया। बच्चों ने इसकी सूचना स्थानीय लोगों को दी, जिसके बाद पुलिस को मामले की जानकारी दी गई।

पांच राज्यों में बज गया चुनावी बिगुल, बंगाल में दो और बाकी में एक फेज में वोटिंग

नई दिल्ली । पश्चिम बंगाल, असम समेत पांच राज्यों/केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव कार्यक्रम की घोषणा हो गई है। पश्चिम बंगाल में दो चरण में मतदान होंगे, जबकि तमिलनाडु, असम, पुडुचेरी और केरल में सभी सीटों पर एक ही फेज में वोट डाले जाएंगे। सभी राज्यों के नतीजों का ऐलान चार मई को होगा। बंगाल में पहले चरण के तहत 23 अप्रैल को वोटिंग होगी, जबकि दूसरे फेज में 29 अप्रैल को मतदान होगा। असम, केरल और पुडुचेरी की सभी सीटों पर 9 अप्रैल को वोटिंग होगी, जबकि तमिलनाडु की सभी विधानसभा सीटों पर 23 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। पांच राज्यों में कुल 17.4 करोड़ वोटर्स मतदान करेंगे और कुल विधानसभा सीटें 824 हैं। इन राज्यों में चुनाव को सफलतापूर्वक संपन्न करवाने के लिए चुनाव आयोग 25 लाख कर्मचारियों की तैनाती करेगा। इस महीने की शुरुआत में चुनाव आयोग ने इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश का दौरा किया था और चुनावी तैयारियों का जायजा लिया था। आयोग ने इन राज्यों में राजनीतिक दलों,

सुरक्षा एजेंसियों तथा प्रशासनिक अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया है। संवाददाता सम्मेलन में चुनाव आयुक्त डॉ. एस.एस. संधु और विवेक जोशी भी उपस्थित थे। ज्ञानेश कुमार ने कहा, "आयोग प्रत्येक मतदाता का मतदान केंद्र पर स्वागत करने के लिए तैयार है। हम खासकर पहली बार वोट डालने वाले और युवा मतदाताओं से अपील करते हैं कि वे अपने मताधिकार का उत्साह, आत्म सम्मान और विवेक के साथ प्रयोग कर लोकतंत्र में अपनी जिम्मेदारी निभाएं।"

17.4 करोड़ वोटर्स डालेंगे वोट

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि पांच राज्यों में 17.4 करोड़ वोटर्स मतदान करेंगे। इन सभी राज्यों की मिलाकर कुल 824 विधानसभा सीटें हैं। 2.19 लाख पोलिंग बूथ बनाए गए हैं। सीईसी के अनुसार, असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में प्रति पोलिंग बूथ पर मतदाताओं की औसत संख्या 750-900 है। उन्होंने मतदाताओं के बारे में ब्योरा देते हुए बताया कि अंतिम सूची के अनुसार असम में लगभग 2.25 करोड़, केरल में 2.7 करोड़, पुडुचेरी में 9.44 लाख, तमिलनाडु में 5.67 करोड़ मतदाता होंगे। और पश्चिम बंगाल में, 28 फरवरी को जारी अंतिम सूची में 6.44 करोड़ मतदाता शामिल हैं। इसके अलावा, माननीय न्यायाधीशों के निर्णय के बाद जो भी पूरक सूची आएगी, उसे भी इसमें जोड़ दिया जाएगा।"

किस राज्य में कब खत्म हो रहा कार्यकाल

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार (सीईसी) ने कहा, "असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के मतदाता। पिछले कुछ दिनों के दौरान, आयोग ने आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों की समीक्षा करने के लिए चुनाव वाले सभी राज्यों का दौरा किया। इन दौरों के दौरान, आयोग ने सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से मुलाकात की और उनके सुझाव प्राप्त किए। आयोग ने जिला निर्वाचन अधिकारियों, एसपी, आईजी, डीआईजी और सभी प्रवर्तन एजेंसियों के नोडल अधिकारियों से भी मुलाकात की। आयोग ने संबंधित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों, मुख्य सचिवों और डीजीपी से भी बैठकें कीं।" असम विधानसभा का कार्यकाल 20 मई को, केरल विधानसभा का 23 मई को, तमिलनाडु विधानसभा का 10 मई को और पश्चिम बंगाल विधानसभा का सात मई को तथा पुडुचेरी विधानसभा का कार्यकाल 15 जून को समाप्त हो रहा है। इन तारीखों से पहले ही यहां नई विधानसभा का गठन होना है।

आंध्र प्रदेश में एक परिवार के चार लोगों की दम घुटने से मौत

अमरावती, आंध्र प्रदेश के अन्नामय्या जिले में एक परिवार के चार सदस्यों की धुएं में दम घुटने से मौत हो गई। पुलिस ने पुष्टि करते हुए कहा कि यह दुखद घटना पुंगनूर शहर में शनिवार और रविवार की दरमियानी रात को हुई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घर में पूरी रात चालू रखी गई बाइक से निकले धुएं में परिवार के सदस्यों को दम घुट गया, जिससे उनकी मौत हो गई। मृतकों की पहचान दादा, उनकी दो पोतियों और एक पोते के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, मुरली नाम का एक व्यक्ति, जो हेयर सैलून चलाता है, उसने शनिवार को एक मैकेनिक से अपनी मोटरसाइकिल की सर्विस करवाई थी। इंजन में खराबी के कारण मैकेनिक ने बोर पिस्टन बदल दिया था। बताया जाता है कि उसने मुरली को सलाह दी थी कि वह इंजन को पूरी रात चालू रखे। मुरली ने घर की सभी खिड़कियां बंद कर दीं और बाइक को चालू छोड़ दिया। जहां मुरली और उसकी पत्नी रेवती छत पर सोने चले गए, वहीं उसके पिता रामचंद्रैया, उनका बेटा कार्तिक और जुड़वां बेटियां चरिता और चंदना घर के अंदर सोए हुए थे।

जय शाह ने पाकिस्तान-बांग्लादेश ड्रामे पर तोड़ी चुप्पी

दोनों टीमों को दिखाया आइना

नई दिल्ली, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने टी20 विश्व कप 2026 से पहले हुए विवाद पर पहली बार अपनी चुप्पी तोड़ी है। शाह ने कहा है कि कोई भी देश या टीम संगठन से बड़ी नहीं होती। आईसीसी सभी सदस्य टीमों के सामूहिक प्रयास से चलता है। एक अवॉर्ड समारोह में जय शाह ने कहा, विश्व कप से पहले काफी अटकलें लगाई जा रही थीं कि कुछ टीमें हिस्सा लेंगी या नहीं। आईसीसी अध्यक्ष के तौर पर मैं इतना जरूर कह सकता हूं कि कोई भी टीम संगठन से बड़ी नहीं होती। कोई एक टीम मिलकर संगठन नहीं बनाती, बल्कि सभी टीमें के साथ मिलकर ही संगठन चलता है। जय शाह ने बताया कि इस विश्व कप ने दर्शकों के मामले में इतिहास रच दिया। कुल व्यूअरशिप के सभी पुराने रिकॉर्ड टूट गए। एसोसिएट टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया। यूएसए ने भारत को, नीदरलैंड ने पाकिस्तान को और नेपाल ने इंग्लैंड को कड़ी टक्कर दी। जिम्बाब्वे जैसी छोटी टीम ने ऑस्ट्रेलिया को हरा दिया। आईसीसी

अध्यक्ष ने भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर और टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव को भविष्य के लिए लगातार मेहनत करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि टीम को 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक सहित आने वाले बड़े टूर्नामेंटों को ध्यान में रखते हुए अभी से तैयारी करनी चाहिए। विश्व कप से पहले विवाद तब शुरू हुआ था, जब बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने भारत आने से इनकार कर दिया था। इसके बाद आईसीसी ने बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था और उसकी जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया था।

अमित शाह ने किया गुवाहाटी में कई स्वास्थ्य परियोजनाओं का शिलान्यास

गुवाहाटी ,केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को गुवाहाटी में कई स्वास्थ्य सेवा परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि 10 साल पहले असम की स्वास्थ्य सेवाओं का हाल जर्जर था। सालों तक शासन में रहने वाली कांग्रेस ने अपने परिवारों के आर्थिक स्वास्थ्य के अलावा लोगों के स्वास्थ्य की चिंता नहीं की। गुवाहाटी में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, जब से हिमंत बिस्वा सरमा जब से असम के मुख्यमंत्री बने हैं, एक लगन के साथ असम की स्वास्थ्य सेवाओं को गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे विकसित राज्यों के समकक्ष बनाने में सफल हुए हैं। उन्होंने आगे कहा, हिमंत बिस्वा सरमा में एक और कला है। वे सरकार के साथ–साथ समाज को जोड़कर भी अपनी शक्ति को दोगुना करते हैं। शाह ने कहा कि प्रोटोन थेरेपी जैसी अत्याधुनिक तकनीक, जो बहुत महंगी है, देश के किसी भी सरकारी

अस्पताल में प्रोटोन थेरेपी की व्यवस्था नहीं है। हम सभी जानते हैं कि निजी अस्पतालों में इलाज बहुत महंगा होता है। लेकिन हिमंत बिस्वा सरमा 400 करोड़ रुपए की लागत से प्रोटोन थेरेपी को स्थापित करने जा रहे हैं। असम देश का पहला राज्य बनेगा, जहां सरकारी कैंसर अस्पताल में प्रोटोन थेरेपी होगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज 700 करोड़ रुपए की लागत से बने प्राग्ज्योतिषपुर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल का उद्घाटन हुआ है। गोलाघाट और तीनसुखिया में कैंसर सेंटर के अलावा दीफू, बरपेटा और जोराहाट में मेडिकल कॉलेज और अस्पताल व अभ्यापुरी जिला अस्पताल का शिलान्यास हुआ है। शाह ने कहा, एक ही दिन में स्वास्थ्य क्षेत्र में असम को कंप्लीट राज्य बनाने का यह प्रयास हिमंत बिस्वा सरमा ने किया है। मैं इसकी प्रशंसा करना चाहता हूं। उन्होंने अपना कार्यकाल पूरा होने से पहले ही स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक प्रकार से आत्मनिर्भर बनाया है। अमित शाह ने कहा, हिमंत बिस्वा सरमा की सोच है कि एक भी मरीज असम से बाहर न जाए। उनका कहना है कि बंगाल और पूर्वोत्तर राज्यों के गरीब मरीज भी असम में आकर अपना इलाज कराएं, ऐसे राज्य का निर्माण करना है ये बहुत बड़ी बात है।

हरियाणा सरकार के दो अधिकारी गिरफ्तार

चण्डीगढ़ । चडीगढ़ के आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में हरियाणा के सरकारी विभागों के खातों में हुए 590 करोड़ घोटाले में दो अफसरों को आज यानी रविवार को गिरफ्तार किया गया है। एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड के कार्यालय में तैनात नियंत्रक वित्त एवं लेखा राजेश सांगवान और हरियाणा विद्यालय शिक्षा परियोजना परिषद के नियंत्रक वित्त एवं लेखा रणधीर सिंह को गिरफ्तार किया है। दोनों ने बैंक फ्रॉड की बैंक कर्मियों साथ साजिश रची थी। दोनों को कोर्ट में पेश कर 4 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया। दोनों अधिकारियों ने हरियाणा सरकार के वित्त विभाग द्वारा जारी निर्देशों का उल्लंघन किया और फ्रॉड करने वाले बैंक के आरोपियों के साथ मिलकर सरकारी धन की हेराफेरी करने की साजिश रची। दोनों ने बैंक मैनेजर को पहले तो विभागों का पैसा एफडी में निवेश करने की मंजूरी दी और फिर रकम को एफडी में जमा करने के बजाय शेल कंपनियों में डायवर्ट कर दिया। सरकारी कर्मियों के फ्रॉड में शामिल होने व रिश्वत की रकम लेने के तथ्य सामने आने पर एसीबी ने केस में 7 पीसी एक्ट की धारा भी जोड़ी है। अभी तक पंचायत विभाग के सुपरिडेंट व दो अकाउंट अफसर की गिरफ्तारी हो चुकी है, जिन्होंने फ्रॉड में साथ देने के लिए रिश्वत की रकम ली है गिरफ्तार दोनों अफसरों ने अपराध में सक्रिय रूप से भाग लिया और रिश्वत के रूप में बड़ी रकम पाई। दोनों से पूछताछ के साथ–साथ जब्त किए गए दस्तावेजों के आधार पर डिटेल ली जाएगी,

केजरीवाल को झटका, हाई कोर्ट ने जज स्वर्ण कांता शर्मा को हटाने की मांग ठुकराई

नई दिल्ली । दिल्ली हाई कोर्ट ने शराब घोटाला मामले में जज बदलने वाली अरविंद केजरीवाल की मांग ठुकरा दी। केजरीवाल ने मामले में सुनवाई कर रहीं जज स्वर्ण कांता शर्मा पर पक्षपात का आरोप लगाकर मामले को किसी अन्य पीठ को स्थानांतरित करने की मांग की थी। चीफ जस्टिस ने मामले में टिप्पणी भी की। दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय ने कहा कि याचिका वर्तमान रोस्टर के अनुसार न्यायमूर्ति शर्मा को सौंपी गई है और प्रशासनिक पक्ष पर आदेश पारित करके इसे स्थानांतरित करने का कोई कारण नहीं पाया जाता। उन्होंने यह भी कहा कि अगर न्यायमूर्ति शर्मा खुद को इस मामले की सुनवाई से अलग करना चाहें तो यह निर्णय उन्हें लेना है। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार, हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल की ओर से 13 मार्च को एक पत्र की जानकारी दी गई थी। यह पत्र उन आठ लोगों को भेजा गया था, जिन्होंने मामले को दूसरी बेंच में ट्रांसफर करने की मांग की थी, जिनमें केजरीवाल भी शामिल थे। चीफ जस्टिस

ने मामले में कहा कि प्रशासनिक स्तर पर इस याचिका को किसी अन्य बेंच में ट्रांसफर करने का कोई कारण नहीं दिखता।

केजरीवाल के आरोप

दरअसल, 11 मार्च को लिखे अपने पत्र में केजरीवाल ने आशंका जताई थी कि यदि मामला जस्टिस स्वर्णा कांत शर्मा के पास ही रहा तो सुनवाई निष्पक्ष और तटस्थ तरीके से नहीं हो पाएगी। इससे पहले 27 फरवरी को एक ट्रायल कोर्ट ने आबकारी नीति मामले में केजरीवाल और 22 अन्य आरोपियों को राहत देते हुए उन्हें आरोपों से मुक्त कर दिया था। इसके खिलाफ सीबीआई ने हाईकोर्ट में चुनौती दी, जिसकी सुनवाई फिलहाल जस्टिस स्वर्ण कांत शर्मा की बेंच में चल रही है।

ट्रायल कोर्ट की टिप्पणियों पर जस्टिस शर्मा की रोक

9 मार्च को जस्टिस शर्मा ने मामले में नोटिस जारी किया था और ट्रायल कोर्ट के उस निर्देश पर रोक लगा दी थी, जिसमें मामले की जांच करने वाले सीबीआई अधिकारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने को कहा गया था। साथ ही उन्होंने ट्रायल कोर्ट के आदेश की कुछ टिप्पणियों को गलत बताया और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामलों की कार्यवाही को फिलहाल टालने का निर्देश भी दिया।

केजरीवाल ने पत्र में क्या मांग की थी

केजरीवाल ने अपने पत्र में कहा था कि 9 मार्च के आदेश में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि किस गंभीर त्रुटि के आधार पर बिना दूसरी पक्ष की सुनवाई के ऐसा अंतरिम आदेश दिया गया।

दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा नेटवर्क बनी दिल्ली मेट्रो, यात्रियों की संख्या में गाड़े झंडे

नई दिल्ली । दिल्ली मेट्रो में यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। पिछले साल इसने रिकॉर्ड बनाया है। फेज–4 के नए कॉरिडोर खुलने से नेटवर्क और बड़ा हो गया है। वर्तमान में भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क वाला मुल्क बन गया है। दिल्ली मेट्रो में यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। पिछले साल इसने नए कीर्तिमान बनाए हैं। कोरोना काल के बाद मेट्रो नेटवर्क के विस्तार और मजेंटा व पिंक लाइन के नए कॉरिडोर शुरू होने से यात्रियों की संख्या में भारी उछाल आया है। साल 2024 के मुकाबले पिछले साल यात्री संख्या बढ़कर 235.8 करोड़ तक पहुंच गई जिसमें एक दिन में अधिकतम 81 लाख से ज्यादा लोगों ने सफर किया। नए कॉरिडोर के जुड़ने से भारत अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क बन गया है। देश के कुल मेट्रो यात्रियों का लगभग 55 फीसदी भार अकेले दिल्ली मेट्रो संभाल रही है।

यात्रियों की संख्या में बनाया रिकॉर्ड

डीएमआरसी का कहना है कि कोरोना काल में सेवाएं प्रभावित होने की वजह से यात्रियों की संख्या कम हो गई थी। कोरोना के बाद मेट्रो यात्रियों की संख्या में इजाफा हुआ है। 2024 में कुल 223.5 करोड़ यात्री (औसत 62.39 लाख प्रतिदिन) दर्ज की गई जो 2025 में बढ़कर 235.8 करोड़ (औसत 64.60 लाख प्रतिदिन) हो गईं। इसी दौरान 8 अगस्त को एक दिन में सबसे ज्यादा 81,87,674 यात्राओं का नया रिकॉर्ड बना। भारत अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क बन गया है जिसमें 26 शहरों में 1,143 किलोमीटर से अधिक की लाइनें चालू हैं और हर दिन लगभग 1.15 करोड़ यात्री यात्रा करते हैं।

समय की पाबंदी में 99.9 फीसदी का रिकॉर्ड

दिल्ली मेट्रो रेल निगम के अनुसार, दिल्ली–एनसीआर में मेट्रो नेटवर्क 416 किलोमीटर लंबा है। इसमें 303 स्टेशन हैं। दिल्ली मेट्रो हर दिन 343 ट्रेनों की मदद से लगभग 4,508 चक्कर लगाती है और 1.40 लाख किलोमीटर की दूरी तय करती है। इसकी समय की पाबंदी 99.9 प्रतिशत है जो इसे दुनिया की सबसे भरोसेमंद प्रणालियों में से एक बनाती है।

तकनीकी स्तर पर दिल्ली मेट्रो दुनिया के सबसे बड़े 'चालक रहित' मेट्रो प्रणालियों में से एक है। फेज चार के दो नए कॉरिडोर मजेंटा लाइन एक्सटेंशन (दीपाली चौक–मजलिस पार्क) व पिंक लाइन एक्सटेंशन (मौजपुर–मजलिस पार्क) पर हाल ही में मेट्रो का परिचालन शुरू होने के बाद मेट्रो का नेटवर्क बढ़ा है। पिंक लाइन (71.55 किमी) और मजेंटा लाइन (49.19 किमी) पर वर्तमान में 80 चालक रहित ट्रेनें संचालित हो रही हैं।

तेजी से चल रहा निर्माण कार्य

डीएमआरसी की ओर से साझा की गई जानकारी के मुताबिक, भविष्य की जरूरतों को देखते हुए चौथे चरण के प्राथमिकता वाले गलियारों का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। आगामी परिचालन के लिए 52 नई ट्रेनों की खरीद की जा रही है, जिनमें से 18 ट्रेनें पहले ही प्राप्त हो चुकी हैं। दिल्ली मेट्रो ने न केवल यात्रा समय को कम किया है, बल्कि सड़क जाम से राहत दिलाकर पर्यावरण के अनुकूल परिवहन को बढ़ावा दिया है।

नेपाल में भारतीयों को लेकर जा रही बस पलटी, 7 की मौत, कई घायल

नई दिल्ली काठमांडू ,भारतीय श्रद्धालुओं को लेकर जा रही एक बस खाई में पलट गई है। ये हादसा मध्य नेपाल इलाके में हुआ है। मिली जानकारी के मुताबिक इस हादसे में सात लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई अन्य लोग घायल हैं। पुलिस ने इस हादसे के बारे में जानकारी दी है। पुलिस का कहना है कि सूचना मिलते ही रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। फिलहाल घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज किया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। जिला पुलिस कार्यालय प्रमुख भरत बहादुर बीके के ने बताया कि इस हादसे में मरने वालों की पहचान मुथु कुमार (58), अनामलिक (58), मीनाक्षी (59), शिवगामी (53), विजयल (57), मीना (58) और तमिलारसी (60) के रूप में की गई है। सात अन्य घायल यात्रियों को बचा लिया गया है।

परीक्षा प्रक्रिया पर सीएम योगी का सख्त निर्देश

किसी भी व्यक्ति, जाति और पंथ पर अमर्यादित टिप्पणी नहीं होगी स्वीकार्य

लखनऊ,उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूरे राज्य में सभी भर्ती बोर्ड के चेयरपर्सन्स के लिए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने भर्ती बोर्डों से परीक्षा प्रक्रियाओं में गरिमा और संवेदनशीलता सुनिश्चित करने को कहा है। इसके साथ ही, जिलाधिकारियों को राज्य के पश्चिमी हिस्सों में हाल ही में हुई बारिश के असर की समीक्षा करने का भी निर्देश दिया है। अलग–अलग भर्ती बोर्ड और आयोगों के अध्यक्षों के साथ एक बैठक के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट किया कि किसी भी व्यक्ति, जाति, पंथ अथवा संप्रदाय की आस्था और गरिमा के संबंध में किसी भी प्रकार की अमर्यादित टिप्पणी

स्वीकार्य नहीं होगी। इसके दृष्टिगत सभी पेपर सेटर्स को भी स्पष्ट दिशा–निर्देश दिए जाएं और ऐसे आदतन अपराधियों को तत्काल प्रतिबंधित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रश्न पत्र तैयार करने वालों को परीक्षा के प्रश्न बनाते समय पूरी सावधानी और जिम्मेदारी बरतनी चाहिए, जिससे परीक्षा प्रक्रिया की शुचिता, संवेदनशीलता और गरिमा अक्षुण्ण बनी रहे।

ओपिनियन पोल : बंगाल में एक बार फिर से ममता बनर्जी की वापसी का अनुमान

नई दिल्ली । चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है। बंगाल में दो फेज में मतदान होंगे, जबकि चार मई को नतीजे घोषित किए जाएंगे। राज्य में तृणमूल कांग्रेस, भाजपा और कांग्रेस के बीच टक्कर है। भाजपा किसी भी हाल में ममता बनर्जी को हराने की पुरजोर कोशिश कर रही है, जबकि ममता एक बार फिर से जीत मिलने के लिए पूरी आश्वास्त हैं। चुनाव तारीखों का ऐलान होते ही पश्चिम बंगाल का पहला ओपिनियन पोल भी सामने आ गया है। इस सर्वे में जीत की उम्मीद लगाए बैठी भाजपा को तगड़ा झटका लग रहा है। ममता बनर्जी की एक बार फिर से वापसी की संभावना जताई गई है। वहीं, इस बार सबसे ज्यादा ओवैसी वाला एआईएमआईएम का गठबंधन चौंका सकता है और पांच से छह सीटें जीत सकता है। मैटराइज–आईएएनएस के ओपिनियन पोल के अनुसार, पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की सरकार पर जनता का भरोसा कायम है। पिछली बार से सीटों की संख्या जरूर कम हो रही है, लेकिन सरकार टीएमसी की ही बनती दिख रही। तृणमूल कांग्रेस को 155–170 सीटें मिल सकती हैं, जबकि भाजपा को 100–115 सीटें मिलने के आसार हैं। इस ओपिनियन पोल में ओवैसी का एआईएमआईएम गठबंधन कांग्रेस की तुलना में बेहतर प्रदर्शन करता दिख रहा है। एआईएमआईएम गठबंधन को बंगाल में पांच से छह सीटें मिल सकती हैं। अन्य के खाते में शून्य से एक, जबकि कांग्रेस का खाता भी नहीं खुलने की उम्मीद है। हालांकि, इस बार टीएमसी और भाजपा के बीच वोट फीसदी का ज्यादा अंतर नहीं है। तृणमूल कांग्रेस को 43–45 फीसदी वोट मिल सकते हैं, जबकि भाजपा को 41–

43 फीसदी वोट मिलने के आसार हैं। अन्य के खाते में 13–15 फीसदी वोट जा सकते हैं। बंगाल में पिछली बार टीएमसी को 48.5 फीसदी वोट मिले थे, जबकि भाजपा को 38.5 फीसदी। सीटों की बात करें तो टीएमसी को बड़ी जीत मिली थी और उसने 213, जबकि भाजपा ने 77 सीटें जीती थीं। पश्चिम बंगाल में इस बार मुस्लिम वोटों के बंटने की भी संभावना है। दरअसल, टीएमसी से सस्पेंडेड विधायक हुमायूं कबीर ने मुर्शीदाबाद में 'बाबरी मस्जिद' बनवाने का ऐलान किया है। उनकी निगाहें राज्य के मुस्लिम वोटों पर है। इसके लिए उन्होंने आम जनता उन्नयन पार्टी नाम से एक राजनैतिक दल भी बनाया है। पिछले दिनों चुनाव आयोग ने पार्टी का रजिस्ट्रेशन भी मंजूर कर दिया। पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय ने इससे पहले कबीर की पार्टी के पंजीकरण की सिफारिश निर्वाचन आयोग से की थी। कबीर ने पिछले साल 22 दिसंबर को अपनी नई राजनीतिक पार्टी के नाम की घोषणा की थी और साथ ही उसका घोषणापत्र भी जारी किया था। इस बार सबकी नजरें हुमायूं कबीर के प्रदर्शन पर भी टिकी हुई हैं।

बंगाल में दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होगा मतदान

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होगा जबकि मतों की गिनती चार मई को की जायेगी और उसी दिन नतीजे घोषित किए जायेंगे। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को एक विशेष संवाददाता सम्मेलन में असम, केरल, पुडुचेरी और तमिलनाडु के साथ पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के तारीखों की घोषणा की। उन्होंने बताया कि 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए पहले चरण में 23 अप्रैल को 152 सीटों पर और दूसरे चरण में 29 अप्रैल को 142 सीटों पर मतदान होगा। दोनों चरणों की मतगणना अन्य तीनों राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के साथ चार मई को होगी। पिछली बार राज्य में आठ चरणों में विधानसभा चुनाव कराए गये थे।

टीएमसी के सामने चुनौती

पिछले 15 वर्षों से सत्ता में रहने के बाद टीएमसी सत्ता विरोधी लहर का सामना कर रही है। कई जिलों में स्थानीय प्रशासन से असंतोष, भ्रष्टाचार के आरोप और नेताओं के प्रति नाराजगी उभरकर सामने आई है। पार्टी के भीतर गुटबाजी एक और चुनौती बनी हुई है। जिला स्तरीय नेताओं के बीच प्रतिद्वंद्विता और राजनीतिक प्रभाव के लिए होड़ कभी–कभी सार्वजनिक झगड़ों का कारण बन चुकी है, विशेषकर स्थानीय चुनावों के दौरान। ऐसी तनावपूर्ण स्थितियां संगठनात्मक एकजुटता को कमजोर कर सकती हैं, जब पार्टी को एसआईआर प्रक्रिया के राजनीतिक निहितार्थों का प्रभावी ढंग से सामना करने के लिए संगठित होने की आवश्यकता है।

दूसरी ओर विपक्षी दल भाजपा भी इस बार जोर–शोर से चुनावी मैदान में उतरी है। हालांकि उसकी भी कुछ ताकत और कुछ कमजोरियां हैं। पश्चिम बंगाल में भाजपा टीएमसी के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और आलाकमान के प्रभावशाली नेतृत्व से आस लगाए हुए है।

सम्पादकीय

एलपीजी संकट से पिसता उपभोक्ता

एलपीजी उपभोक्ता के लिए एक नया संकट ईरान अमेरिका इजरायल युद्ध के कारण उत्पन्न हो गया है लेकिन सोचने वाली बात यह है कि क्या एक ऐसे देश के पास जो खुद को विश्व के अग्रणी देश में शामिल करने का दावा करता हो अपने नागरिकों के लिए एक महीने का भी गैस और तेल का भंडारण ना हो यह वाकई चिंता की बात है। आज पूरे भारतवर्ष में एलपीजी गैस की सप्लाई को लेकर संकट जैसे हालात नज़र आ रहे हैं और स्थिति यह हो गई है कि एलपीजी गैस उपभोक्ताओं को शहरी और ग्रामीण क्षेत्र की श्रेणी में बांट दिया गया है। जहां शहरी क्षेत्रों को 25 दिन की बुकिंग पर सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है तो वहीं ग्रामीण क्षेत्र के लिए यह व्यवस्था 45 दिन की तय की गई है जबकि स्थिति यह है कि नगर निगम क्षेत्र से सटे कई ऐसे क्षेत्र भी अब ग्रामीण क्षेत्रों में शामिल है जहां 45 दिन की यह अवधि न्याय संगत नहीं है। गैस की कीमत उत्तराखंड में भी सर चढ़कर बोल रही है और इस संकट से निपटने के लिए गैस कंपनियों ने तो तमाम नियम कानून लागू किया ही है इसके अलावा राज्य सरकार भी गैस की आपूर्ति को निर्वाण गति से चलने के लिए छापेमारी के साथ–साथ हेल्पलाइन नंबर जारी कर अपनी स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश कर रही है। इधर एक नए आदेशों के अनुसार गैस एजेंसियों या गोदाम में सिलेंडर की डिलीवरी करने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया गया है लेकिन दिक्कत यह है कि उपभोक्ताओं की बड़ी संख्या को आगे होम डिलीवरी आखिर कैसे तय होगी? सिलेंडर की कालाबाजारी और जमाखोरी के प्रकरण भी सामने आने लगे हैं और विपक्ष सरकार पर जनता के मूल अधिकारों एवं सुविधाओं को लेकर प्रहार करने के लिए तैयार खड़ी है। इधर गैस एजेंसी संचालकों की शिकायत किया है कि 45 और 25 दिन की अवधि के कारण गोदाम में सिलेंडर भरे पड़े हैं लेकिन नियम कानून के कड़े होने के कारण वह आपूर्ति नहीं दे पा रहे हैं। यानी कि यहां सरकार और गैर संचालकों के बयानों में पूरी तरह से विरोधाभास साफ नजर आ रहा है संचालक जहां एक तरफ गैस आपूर्ति करने को तैयार है तो वही गैस कंपनी और राज्य सरकार के नियम कानून आपूर्ति को समय अवधि में बांटकर परिस्थितियों को प्रतिकूल बना रहे हैं। अच्छा होता कि गैस बुकिंग की नियत 21 दिन बनाकर उपभोक्ताओं को होम डिलीवरी उपलब्ध कराई जाती और इसमें शहरी और ग्रामीण क्षेत्र का वर्गीकरण नहीं रखा जाता। सरकार द्वारा जारी किए जाने वाले नियम कानून और दिशा निर्देशों से एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर और उपभोक्ता में एक भ्रम पैदा हो रहा है जिस कारण स्थितियां और अधिक विकट बनती जा रही हैं। पूरे बाजार में एलपीजी गैस सिलेंडर अब एक ऐसा मुद्दा बन चुका है इसके आगे आम आदमी से जुड़े तमाम समस्याएं गौण साबित होने लगी है। सोशल मीडिया पर कई ऐसे पोस्ट देखे जा रहे हैं जो भावनात्मक तो है साथ ही सरकार की सार्वजनिक वितरण नीति पर भी सवाल खड़ी करते हैं। फिलहाल तो प्रतीक्षा कर सकते हैं कि कब जंग के हालात सामान्य हो और ऐसे देश जिनका जंग से कोई लेना–देना नहीं है उनके नागरिक एक सामान्य जिंदगी जी सके वह भी सिर्फ एक सिलेंडर के लिए।

तेल–गैस संकट : क्या अर्थतंत्र में महासंकट के संकेत?

सौरभ वार्ष्णेय

वैश्विक अर्थव्यवस्था में जब भी ऊर्जा संकट गहराता है, उसका सीधा असर वित्तीय बाजारों और आम लोगों की जेब पर दिखाई देता है। हाल के दिनों में कच्चे तेल और गैस की कीमतों में बढ़ोतरी तथा आपूर्ति को लेकर बढ़ती अनिश्चितता के बीच भारतीय शेयर बाजार का प्रमुख सूचकांक गिरावट की ओर गया है। यह गिरावट केवल बाजार की सामान्य हलचल नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था के सामने खड़े संभावित बड़े संकट का संकेत भी हो सकती है। वहीं जब मैं इस लेख को लिख रहा हूं तो सेंसेक्स और निफ्टी काफी हद तक गिर चुका है। ऐसे में सरकार के कहने के बावजूद जनमानस इस युद्व के बीच ऊर्जा का भंडार भरकर रखना चाहता है, यह युद्व क्या पटकथा लिखेगा कोई नहीं जानता क्योंकि रुस–युक्रेन युद्व भी अभी तक समाप्त नहीं हुआ।भारत जैसे देश की ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयातित तेल और गैस पर निर्भर है। जब वैश्विक स्तर पर तेल–गैस की कीमतें बढ़ती हैं या आपूर्ति बाधित होती है, तो उसका असर सीधे महंगाई, उत्पादन लागत और व्यापार संतुलन पर पड़ता है। उद्योगों की लागत बढ़ती है, परिवहन महंगा होता है और अंततः इसका बोझ आम उपभोक्ता तक पहुंचता है। निवेशकों को भी यह संकेत मिलता है कि आने वाले समय में कंपनियों के मुनाफे पर दबाव बढ़ सकता है।शेयर बाजार का गिरना इसी चिंता का प्रतिबिंब है। निवेशक भविष्य की आशंकाओं को देखते हुए बाजार से पैसा निकालने लगते हैं। विदेशी निवेशक भी जोखिम से बचने के लिए उभरते बाजारों से पूंजी निकालते हैं, जिससे बाजार में गिरावट और तेज हो जाती है। यदि यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है तो इसका असर निवेश, रोजगार और आर्थिक विकास की गति पर पड़ सकता है।

ऊर्जा संकट का दूसरा पहलू राजकोषीय दबाव भी है। सरकार को महंगाई नियंत्रित करने के लिए करों में कटौती, सब्सिडी या अन्य राहत उपाय देने पड़ सकते हैं। इससे सरकारी खजाने पर अतिरिक्त बोझ बढ़ता है। साथ ही यदि आयात बिल बढ़ता है तो चालू खाते का घाटा भी बढ़ सकता है, जो आर्थिक स्थिरता के लिए चुनौती बन जाता है।

हालांकि यह भी सच है कि शेयर बाजार हमेशा दीर्घकालिक आर्थिक स्थिति का सटीक दर्पण नहीं होता। कई बार वैश्विक परिस्थितियों, भू–राजनीतिक तनाव या निवेशकों की मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रिया से भी बाजार अचानक गिर सकता है। इसलिए सेंसेक्स की गिरावट को तुरंत "महा संकट" मान लेना भी उचित नहीं होगा। लेकिन इसे एक चेतावनी संकेत जरूर माना जाना चाहिए।

ऐसे समय में सरकार और नीति–निर्माताओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने की है। देश को तेल–गैस के आयात पर निर्भरता कम करने, नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने और रणनीतिक भंडार बढ़ाने जैसी नीतियों पर तेजी से काम करना होगा। साथ ही आर्थिक सुधारों और निवेश को बढ़ावा देकर बाजार का भरोसा बनाए रखना भी जरूरी है। अंततः कहा जा सकता है कि तेल–गैस संकट के बीच सेंसेक्स की गिरावट केवल बाजार की घटना नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था के सामने खड़ी चुनौतियों की याद दिलाती है। यदि समय रहते ठोस कदम उठाए जाएं तो यह संकट अवसर में भी बदल सकता है, लेकिन अगर इसे नजरअंदाज किया गया तो इसके गंभीर आर्थिक परिणाम सामने आ सकते हैं।

निवेशक दोहरी दुविधा में

वैश्विक और घरेलू आर्थिक परिस्थितियों के बीच आज निवेशक एक कठिन दौर से गुजर रहा है। बाजार में अनिश्चितता, अंतरराष्ट्रीय तनाव और महंगाई के दबाव ने निवेशकों को दोहरी दुविधा में डाल दिया है। एक ओर शेयर बाजार में उतार–चढ़ाव है, वहीं दूसरी ओर सुरक्षित निवेश विकल्प भी अपेक्षित रिटर्न नहीं दे पा रहे हैं। ऐसे माहौल में यह सवाल महत्वपूर्ण हो गया है कि निवेशक अपने धन को कहाँ और कैसे सुरक्षित रखें। हाल के समय में वैश्विक स्तर पर कई घटनाएँ आर्थिक बाजारों को प्रभावित कर रही हैं। तेल–गैस की कीमतों में अस्थिरता, अंतरराष्ट्रीय संघर्ष और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की नीतियों में बदलाव का असर भारत सहित दुनिया के शेयर बाजारों पर दिखाई दे रहा है। जब भी वैश्विक स्तर पर संकट गहराता है, निवेशक जोखिम से बचने के लिए सुरक्षित विकल्पों की ओर रुख करते हैं। लेकिन वर्तमान स्थिति में सुरक्षित निवेश भी बहुत आकर्षक नहीं दिख रहा।

दूसरी ओर घरेलू स्तर पर भी निवेशकों के सामने कई सवाल खड़े हैं। महंगाई की दर में उतार–चढ़ाव, ब्याज दरों की अनिश्चितता और कंपनियों के भविष्य को लेकर आशंकाएँ निवेशकों को निर्णय लेने में कठिनाई पैदा कर रही हैं। शेयर बाजार में निवेश करने पर जोखिम अधिक है, जबकि बैंक जमा या अन्य सुरक्षित विकल्पों में रिटर्न सीमित है। यही कारण है कि निवेशक समझ नहीं पा रहे कि जोखिम उठाकर बाजार में बने रहें या सुरक्षित विकल्पों में पैसा लगाएँ।

निवेशकों की यह दुविधा केवल आर्थिक नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक भी है। बाजार की अस्थिरता के कारण कई छोटे निवेशक घबराकर अपने निवेश को निकाल लेते हैं, जिससे बाजार में और अधिक गिरावट देखने को मिलती है। वहीं कुछ अनुभवी निवेशक इसे अवसर के रूप में देखते हैं और गिरते बाजार में निवेश बढ़ाते हैं।ऐसी स्थिति में सबसे महत्वपूर्ण है संतुलित और दीर्घकालिक दृष्टिकोण। विशेषज्ञों का मानना है कि निवेशकों को घबराहट में निर्णय लेने के बजाय अपने निवेश को विविध क्षेत्रों में बांटना चाहिए और लंबी अवधि की रणनीति अपनानी चाहिए। इससे जोखिम कम किया जा सकता है और बाजार की अस्थिरता का प्रभाव भी सीमित किया जा सकता है।सरकार और नियामक संस्थाओं की भी जिम्मेदारी है कि वे आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाएँ। पारदर्शी नीतियाँ, निवेश के अनुकूल वातावरण और वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देकर निवेशकों का भरोसा मजबूत किया जा सकता है।

यह कहा जा सकता है कि वर्तमान समय निवेशकों के लिए परीक्षा का दौर है। दोहरी दुविधा के बीच सही निर्णय वही होगा जो धैर्य, समझ और दीर्घकालिक सोच पर आधारित हो। अगर निवेशक संतुलित रणनीति अपनाते हैं, तो अस्थिर बाजार भी भविष्य के अवसरों में बदल सकता है।

तेल–गैस संकट से कैसे मिले निजात?

विश्व राजनीति और ऊर्जा बाज़ार में बढ़ती अनिश्चितता ने एक बार फिर तेल–गैस संकट की आशंका को गहरा कर दिया है। मध्य–पूर्व में बढ़ते तनाव, आपूर्ति में रुकावट और अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में कीमतों के उतार–चढ़ाव का सीधा असर भारत जैसे आयात–निर्भर देश पर पड़ता है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है, इसलिए जब भी वैश्विक स्तर पर संकट पैदा होता है, उसका दबाव देश की अर्थव्यवस्था, उद्योग और आम उपभोक्ता पर साफ दिखाई देता है।तेल और गैस केवल ईंधन नहीं, बल्कि आधुनिक अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। परिवहन, बिजली उत्पादन, उद्योग और घरेलू उपयोग–हर क्षेत्र इन पर निर्भर है। जब इनकी कीमतें बढ़ती हैं या आपूर्ति कम होती है, तो महंगाई बढ़ती है, उत्पादन लागत बढ़ती है और आर्थिक विकास की गति भी प्रभावित होती है। इसलिए यह केवल ऊर्जा संकट नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक चुनौती भी बन जाता है।इस संकट से निपटने के लिए सरकार को बहुस्तरीय रणनीति अपनानी होगी। सबसे पहले, ऊर्जा स्त्रोतों का विविधीकरण जरूरी है। भारत को केवल कुछ सीमित देशों पर निर्भर रहने के बजाय अलग–अलग क्षेत्रों से तेल और गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करनी चाहिए। दीर्घकालिक समझौते और रणनीतिक भंडारण भी आपूर्ति सुरक्षा को मजबूत कर सकते हैं।दूसरा महत्वपूर्ण कदम वैकल्पिक और नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार है। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन जैसे स्त्रोत भविष्य में तेल–गैस पर निर्भरता कम कर सकते हैं। भारत ने इस दिशा में कुछ कदम उठाए हैं, लेकिन इसे और तेज़ी से बढ़ाने की आवश्यकता है।तीसरा, ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देना भी जरूरी है। उद्योगों, वाहनों और घरेलू उपयोग में ऊर्जा की बचत से खपत कम की जा सकती है। इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन और सार्वजनिक परिवहन का विस्तार भी तेल की मांग घटाने में मदद कर सकता है। तेल–गैस संकट हमें यह याद दिलाता है कि ऊर्जा सुरक्षा केवल आयात से नहीं, बल्कि दीर्घकालिक नीति, तकनीकी नवाचार और आत्मनिर्भरता से ही सुनिश्चित हो सकती है। यदि भारत समय रहते सही कदम उठाता है, तो वह न केवल इस संकट से उबर सकता है, बल्कि भविष्य की ऊर्जा चुनौतियों का भी मजबूती से सामना कर सकता है।

बालेन शाह नये नेपाल के प्रधानमंत्री

डॉ. सुधीर सक्सेना

राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी की स्थापना 21 जून, 2022 को पत्रकार रबी लामिछाने ने की थी। गत वर्ष बालेन को पीएम बनाने की मांग उठी थी, किंतु उन्होंने इसे कुबुल नहीं किया था। संप्रति, काठमांडु के महापौर बालेन के कक्ष में ग्रेटर नेपाल का नक्शा अभी भी लटका हुआ है। बालेन की उम्र ज्यादा नहीं है। यही कोई– पैंतीस वर्ष। उनका जन्म 27 अप्रैल, 1990 को हुआ। वह फिलवक्त राजधानी काठमांडू के महापौर हैं। सामान्यतः मेयर नगर निगमों के कामकाज में उलझे रहते हैं, लेकिन बालेन का पिंड अलग है।

नेपाल में संसदीय चुनाव के प्रारंभिक परिणामों और रूझानों से स्पष्ट है कि राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के मुखिया बालेंद्र शाह नेपाल के प्रधानमंत्री होंगे। इस चुनाव में नेपाल के मतदाताओं ने अदभुत परिपक्वता और परिवर्तन की मानसिकता का परिचय दिया है। बीत वर्ष की बात है कि नेपाल में जेनरेशन ज़ेड के बेलगाम हिंसक आंदोलन ने ओली सरकार का तख्तापलट दिया था और देश की सियासी फिज़ा बदल दी थी। तब एक युवा चेहरा तेजी से परिदृश्य में उभरा था। यह चेहरा था बालेंद्र शाह या बालेन शाह का, जिन्हें बोलचाल में बालेन कहकर बुलाया जाता है। गौरतलब है कि राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी की स्थापना 21 जून, 2022 को पत्रकार रबी लामिछाने ने की थी। गत वर्ष बालेन को पीएम बनाने की मांग उठी थी, किंतु उन्होंने इसे कुबुल नहीं किया था। संप्रति, काठमांडु के महापौर बालेन के कक्ष में ग्रेटर नेपाल का नक्शा अभी भी लटका हुआ है। बालेन की उम्र ज्यादा नहीं है। यही कोई– पैंतीस वर्ष। उनका जन्म 27 अप्रैल, 1990 को हुआ। वह फिलवक्त राजधानी काठमांडू के महापौर हैं। सामान्यतः मेयर नगर निगमों के कामकाज में उलझे रहते हैं, लेकिन बालेन का पिंड अलग है। उन्होंने अपनी आक्रामक और तुर्श राजनीति से सारे देश का ध्यान आकृष्ट किया है और आंदोलन की धुरी बनकर उभरे हैं। सोशल मीडिया पर वह खासे लोकप्रिय हैं। उनके लाखों फालोअर्स हैं।

नेपाली युवाओं के वह आईकॉन या रोल मॉडल हैं। यह अकारण नहीं है कि सन 2023 में 'टाइम्स ने उन्हें विश्व के 100 शीर्ष व्यक्तित्वों में शामिल किया। वह नेपाली रैपर, संगीतकार, इंजीनियर और राजनीतिज्ञ हैं। काठमांडू के महापौर चुने गये वह पहले निर्दलीय प्रत्याशी हैं और मुद्दों पर किसी भी अथार्टी से भिड़ने के मामले में उनका कोई सानी नहीं है। बालेन शाह काठमांडू के 15वें मेयर हैं। वह सन 2022 में ग्रीष्म में पांच वर्षों के लिए मेयर चुने गये थे। उन्होंने 10+2 की पढ़ाई बीएस निकेतन हायर सेकेंड्री स्कूल से की। हिमालयन व्हाइट हाउस इंटरनेशनल कालेज से सिविल इंजीनियरिंग में डिग्री के बाद उन्होंने भारत में कर्नाटक में स्थित विश्वेश्वरैया प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से एमटेक किया। उनके पिता आयुर्वेद चिकित्सक थे, लेकिन बालेन का मन संगीत में रमा। इसमें उन्हें खासी कामयाबी मिली। वह काठमांडू के रैप मुकाबलों में सक्रिय रहे। अपने गीतों और अदाओं से वह युवा वर्ग में लोकप्रिय सितारा बनकर उभरे। यह लोकप्रियता उनका जंपिंग बोर्ड साबित हुई और अराजनीतिक पृष्ठभूमि के बावजूद वह बत्तीस की उम्र में काठमांडू के मेयर चुन लिए गये। दिलचस्प बात है कि वह संगीत की दुनिया में अभी भी सक्रिय हैं। मेयर चुने जाने तक वह नेपाली हिपहॉप उद्योग में एक दहाई बिता चुके थे। नेवार के मधेशी बौद्ध परिवार में जनमे बालेन की पत्नी सबीना काफले सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारी हैं।

बालेन के सुर्खियों में उभरने का क्रम उनके मेयर बनने के बाद शुरू हुआ। उन्होंने नागरिक सुविधाओं, कचरा निपटान और अतिक्रमण ध्वंस पर ध्यान केंद्रित किया। उनके एजेंडे में भ्रष्टाचार और अनियतिताओं का विरोध, बौद्ध स्थलों का विकास और बेहतर परिवहन तो शामिल है ही, वह वृहत्तर नेपाल के भी समर्थक हैं। वाम विचारों के बालेन के सन 2023 में अपने दफ्तर में ग्रेटर नेपाल का नक्शा टांगने पर व्यापक प्रतिक्रिया हुई थी। बेजा कब्जा हटाने के फेर में वह निजी व्यापारियों, उड्डयन अभिकरण और पुलिस प्रशासन से टकरा चुके हैं और अदालती झमेलों में भी उलझे, लेकिन उन्होंने घुटने नहीं टेके और फैसलों पर अडिग रहे। इससे उन्होंने लोकप्रियता बटोरी। उन्होंने अवैध निर्माणों को तो तोड़ा ही, पुलिस के अवैध सब–स्टेशनों को भी नहीं बख्शा। वह भारत के प्रति तल्ख हैं और पूर्वोत्तर भारत के भूभाग वापस नेपाल में चाहते हैं। एक दफा उन्होंने राजधानी की सीमा में भारतीय फिल्मों की स्क्रीनिंग पर प्रतिबंध लगा दिया था और फिल्म आदिपुरू में 'सीता भारत की बेटी हैइ लाइन हटाने की मांग की। इस पर उनके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल हुई और पाटन हाईकोर्ट ने उनके खिलाफ अंतरिम आदेश जारी किया। अदालती आदेश की अवहेलना में बालेन ने उसके पालन से इंकार किया। अंततः सुप्रीम कोर्ट के दखल पर उन्होंने नरमी बरती, लेकिन अदालत और संघीय सरकार पर भारत के प्रभाव में होने का आरोप चस्पां किया। बालेन के नेपाल का प्रधानमंत्री होने का नेपाल की राजनीति में नये युग का प्रारंभ और चीन तथा भारत के लिये नये समीकरणों का जनक माना जा रहा है।

बॉबी देओल की फिल्म बंदर का पोस्टर जारी, 22 मई को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

पिछले कुछ साल से अभिनेता बॉबी देओल के दोनों हाथों में लड्डू हैं। हरी हारा वीरा मल्लू और कंगुआ जैसी साउथ की कई फिल्मों में उन्होंने दमदार विलेन बनकर फैंस का दिल जीता। दूसरी ओर, उनकी हिंदी फिल्म बंदर लंबे समय से चर्चा में है, जिसपर आखिरकार ताजा जानकारी आ गई है। अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित फिल्म का पहला पोस्टर जारी हो गया है। साथ में रिलीज की तारीख बताई गई है। निर्माताओं द्वारा जारी बंदर के पोस्टर को लाल और हरे रंग के विभाजन के साथ दर्शाया गया है। धूप का चश्मा पहनकर बॉबी सलाखों के पीछे खड़े होकर किसी को घूर रहे हैं। उनका इंटेंस लुक आकर्षित करता है। फिल्म का निर्माण निखिल द्विवेदी ने किया है और इसे जी स्टूडियोज का समर्थन मिला है। कहानी सुदीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी ने मिलकर लिखी है, जिन्हें पाताल लोक, उड़ता पंजाब और कोहरा के लेखकों के तौर पर जाना जाता है।

फिल्म बंदर का पोस्टर जारी करते हुए इसकी रिलीज तारीख का खुलासा भी किया गया है। यह फिल्म 22 मई, 2026 को सिनेमाघरों का दरवाजा खटखटाने के लिए उतरेगी। इसके कलाकारों की टोली में सान्या मल्होत्रा, इंद्रजीत सुकुमारन, राज बी शेट्टी, जितेंद्र जोशी, नागेश भोसले, सपना पब्बी और रिद्धि सेन सवार हैं।

वरलक्ष्मी सरथकुमार की फिल्म सरस्वती में प्रकाश राज की एंट्री

वरलक्ष्मी सरथकुमार अपने गहन और दिलचस्प अभिनय के लिए जानी जाती हैं। अब वह सरस्वती नाम की फिल्म से निर्देशक के रूप में डेब्यू कर रही हैं। फिल्म तेजी से आगे बढ़ रही है और अब यह बात सामने आ रही है कि प्रकाश राज इसमें एक अहम भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म बनाने वालों ने प्रकाश राज के किरदार के बारे में जानकारी दी है और पता चला है कि वह वकील रामानुजम का किरदार निभाएंगे। फिल्म को प्रोड्यूस करने वाले प्रोडक्शन हाउस डोसा डायरीज़ ने एक प्रोमो जारी किया, जिसमें फिल्म के सेट पर प्रकाश राज के ब्लूप्स् (शूटिंग के दौरान के) क्लिप्स दिखाए गए हैं। उन्होंने लिखा, हमारे रामानुजम बनने के लिए प्रकाश राज सर, आपका बहुत–बहुत शुक्रिया। सरस्वती का पहला लुक अब सामने आ गया है। इसे वरुसारथ ने डायरेक्ट किया है। वरलक्ष्मी सरथकुमार ने पोस्ट किया, आपका बहुत–बहुत शुक्रिया सर!!! आपके साथ काम करना हमारे लिए बेहद खुशी की बात थी। उन्होंने कहा था, यह साल मेरे लिए बहुत ही ज़बरदस्त रहा... मेरी पहली डायरेक्टोरियल फिल्म सरस्वती... हमने एक महीने पहले इसकी शूटिंग शुरू की थी और अब सरस्वती की शूटिंग पूरी हो चुकी है।

राहुल द्रविड़, मिताली राज और रोजर बिन्नी को बीसीसीआई देगा लाइफटाइम अचीवमेंट सम्मान

नईदिल्ली,भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड दिल्ली में अपना एनुअल अवॉर्ड सेरेमनी का आयोजन करेगी। इस दौरान राहुल द्रविड़, मिताली राज और रोजर बिन्नी को कर्नल सी के नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट सम्मान से नवाजा जाएगा। वहीं, शुभमन गिल को सर्वश्रेष्ठ अंतराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी (पुरुष) के अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। महिला खिलाड़ियों में ये अवॉर्ड स्टार खिलाड़ी स्मृति मंधाना को मिलेगा। इरा जाधव को सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी (घरेलू) के रूप में जगमोहन डालमिया ट्रॉफी दी जाएगी।

शफाली वर्मा को 2024–25 सीजन के लिए घरेलू वनडे में बेहतरीन महिला खिलाड़ी के रूप में जगमोहन डालमिया ट्रॉफी से सम्मानित किया जाएगा। वहीं, मुंबई के आयुष म्हात्रे को 2024–25 सीजन में घरेलू लिमिटेड ओवर प्रतियोगिताओं में सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर के लिए लाला अमरनाथ पुरस्कार मिलेगा। इसके साथ ही विदर्भ के हर्ष दुबे को रणजी ट्रॉफी में सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर के रूप में लाला अमरनाथ पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। ये पुरस्कार खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन को मान्यता देते हैं। नमन अवार्ड्स 2026 की सबसे खास बात भारत की सभी 5 आईसीसी ट्रॉफी विजेता टीमों को सम्मानित किया जाएगा। बीसीसीआई वरिष्ठ पुरुष टीम (आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 और आईसीसी पुरुष टी–20 विश्व कप 2026 विजेता), वरिष्ठ महिला टीम (आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 विजेता), पुरुष अंडर–19 टीम (आईसीसी अंडर–19 विश्व कप 2026 विजेता) और महिला अंडर–19 टीम (आईसीसी अंडर–19 विश्व कप 2025 विजेता) को सम्मानित करेगा। यह सम्मान भारतीय क्रिकेट की वैश्विक सफलता का जश्न है।

साल 2025 में गिल ने भारतीय टीम के लिए 9 टेस्ट मैच खेले और इसकी 16 पारियों में 70.21 की उम्दा औसत के साथ 983 रन बनाए थे।

धुरंधर 2 का एडवांस बुकिंग में डंका, रिलीज से पहले विदेशों तक मचाई धूम

रणवीर सिंह की बहुप्रतीक्षित फिल्म धुरंधर 2: द रिवेंज अपनी एडवांस बुकिंग में जबरदस्त प्रदर्शन कर रही है। एक ओर, फिल्म भारत में प्रीव्यू शो के लिए टिकटों की धड़ाधड़ बिक्री कर रही है। दूसरी तरफ अमेरिका और कनाडा में यह कमाई के जरिए पहले ही रिकॉर्ड तोड़ रही है। इन सब की बदौलत रणवीर की फिल्म ने रिलीज से पहले ही बॉक्स ऑफिस पर 60 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार करते हुए निर्माताओं की झोली भर दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, धुरंधर 2 ने भारत में प्रिव्यू शो के लिए 13 मार्च की सुबह तक 4.7 लाख टिकटों की बिक्री कर ली। इसी के साथ कमाई 24.4 करोड़ के पार पहुंच गई है। आंकड़ा दर्शाता है कि धुरंधर 2 किसी भारतीय फिल्म का सबसे बड़ा प्रीमियर

बनने जा रही है। यह पवन कल्याण अभिनीत दे कॉल हिम ओजी (रिलीज 2025) द्वारा प्रिव्यू शो में बनाए गए रिकॉर्ड 25 करोड़ को तोड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, धुरंधर 2 ने उत्तरी अमेरिका में ओपनिंग डे के लिए लगभग 27.7 करोड़ कमा लिए हैं। इसमें केवल प्रीमियर शोज के लिए नॉर्थ अमेरिका में करीब 9.24 करोड़ की एडवांस बुकिंग हुई। इससे धुरंधर 2 की विश्वव्यापी एडवांस बुकिंग कमाई रिलीज से पहले ही लगभग 60 करोड़ के आसपास हो गई है। बता दें कि आदित्य धर द्वारा निर्देशित यह फिल्म 19 मार्च, 2026 को दुनियाभर में तहलका मचाने के लिए तैयार है।

टी–20 विश्व कप में खराब प्रदर्शन को लेकर पाकिस्तान के खिलाड़ियों पर नहीं लगेगा जुर्माना

नईदिल्ली,। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने यह अफवाह खारिज कर दी है कि टी–20 विश्व कप 2026 में जल्दी बाहर होने पर खिलाड़ियों पर जुर्माना लगाया गया। यह अटकलें तब उभरीं जब पाकिस्तान 20 टीमों के टूर्नामेंट में सेमीफाइनल में जगह बनाने में असफल रहा और लगातार चौथी बार आईसीसी इवेंट में सेमीफाइनल तक नहीं पहुंच सका। कई रिपोर्ट में कहा गया था कि हर खिलाड़ी पर 50 लाख पाकिस्तानी रुपये का जुर्माना लगाया गया, जिसे पीसीबी ने नकार दिया है। पीसीबी के प्रवक्ता आमिर मीर ने इन दावों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। उन्होंने बताया कि बोर्ड ने कभी भी ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया। उन्होंने कहा कि यह सब केवल सोशल मीडिया की अफवाहें थीं। उन्होंने आगे स्पष्ट किया कि पीसीबी के नियमों में ऐसी किसी कार्रवाई

का कोई प्रावधान या मिसाल मौजूद नहीं है। उनके बयान से यह साफ हो गया कि खिलाड़ियों पर जुर्माना लगाने की खबर निराधार है।पाकिस्तान के टी–20 विश्व कप में हार के बाद खिलाड़ियों पर जुर्माना लगाने की अफवाहों को लेकर पीसीबी की काफी आलोचना हुई। पूर्व कप्तान यूनिस खान ने कहा कि अगर यह सच है तो खिलाड़ियों को ऐसे कदम के खिलाफ खड़ा होना चाहिए और किसी को भी राष्ट्रीय टीम के लिए पूरा प्रयास करने पर सजा नहीं दी जानी चाहिए। वहीं, कोच माइक हेसन और कप्तान सलमान आघा को टीम के प्रदर्शन के लिए काफी ट्रोल किया गया।सुपर–8 चरण में पाकिस्तान का न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ हुआ पहला मुकाबला बारिश के चलते रद्द हो गया था। ऐसे में दोनों टीमों को एक–एक अंक बांटना पड़ा था। इसके बाद उसे इंग्लैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ हुए दूसरे मुकाबले में 2 विकेट से करीबी हार झेलनी पड़ी थी। इसी तरह आखिरी मुकाबले में उसे श्रीलंका के खिलाफ 5 रन से जीत मिली। ऐसे में वह तीसरे स्थान पर रही और सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई।

एक नजर

सर्वे की फाइलों में दबी सालू गांव की सड़क

उत्तरकाशी। भटवाड़ी विकासखंड का सालू गांव सड़क से नहीं जुड़ने से छात्र–छात्राओं को आज भी स्कूल पहुंचने के लिए करीब छह किमी की पैदल दूरी तय करनी पड़ती है। ग्रामीणों का कहना है कि बाजार से सामान ले जाने पर ढुलान के कारण उसकी कीमत दोगुनी हो जाती है। सड़क निर्माण के लिए पहले लोनिवि और पीएमजीएसवाई विभाग भी सर्वे तक सीमित रह गया है। सालू गांव की ग्राम प्रधान अनूपा रावत, नवीन रावत ने बताया कि उनके गांव में सड़क नहीं पहुंचने से आज भी वह आदम युग में जीने को मजबूर हैं। उनका कहना है कि सड़क नहीं होने के कारण उनके स्कूली बच्चों को करीब छह किमी की घने जंगलों के बीच से पैदल दूरी तय करनी पड़ती है। इस दौरान जंगली जानवरों का भय बना रहता है। कहा कि सड़क के लिए पहले लोक निर्माण विभाग ने सर्वे किया। वह आगे नहीं बढ़ पाया। वहीं, अब पीएमजीएसवाई विभाग को यह हस्तांतरित हुई है लेकिन उनकी ओर से भी अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। सड़क नहीं होने के कारण आज भी बीमार को डंडी–कंडी से ही अस्पताल पहुंचाया जाता है।सबसे अधिक नुकसान नकदी फसलों का होता है। गांव में आलू सहित अन्य नकदी फसलों का उत्पादन होता है लेकिन सड़क नहीं होने और भाड़ा आदि अधिक होने के कारण कई बार फसलें गांव में ही सड़ का खराब हो जाती है। उन्होंने कहा कि शासन–प्रशासन से कई बार लिखित शिकायत करने के बावजूद कार्रवाई नहीं हो रही है। पीएमजीएसवाई के सहायक अभियंता शुभाशीष राणा ने कहा कि सड़क का सर्वे किया गया है। जल्द ही डीपीआर तैयार करने की कार्रवाई होगी। सड़क निर्माण प्रक्रिया अभी लंबा समय लग सकता है।

पुल से गिरी कार में नई दिल्ली निवासी पर्यटक घायल

उत्तरकाशी। शनिवार देर रात को हर्षिल से बगोरी जा रहे नई दिल्ली पर्यटक की कार पुल से नदी के किनारे जा गिरी। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को कार से बाहर निकालकर उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। दूसरी ओर पुरोला में एक डंपर खलाड़ी के समीप अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरा। घटना में चालक ने वाहन से कूदकर जान बचाई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार राजन कुमार निवासी अंबेडकर कॉलोनी आयानगर पहाड़ी नई दिल्ली कार से हर्षिल से बगोरी की ओर जा रहे थे। हर्षिल बगोरी को जोड़ने वाले पहले पुल पर कार अनियंत्रित होकर पुल से नदी के किनारे जा गिरी। सूचना मिलने पर हर्षिल थाने से एसआई सुनील तोमर, कांस्टेबल राहुल, विशाल और होमगार्ड जवान अरुण मौके पर पहुंचे। उन्होंने नदी के किनारे गिरने के बाद पलटी कार से घायल को बाहर निकाला और उसके बाद उपचार के लिए हर्षिल अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने बताया कि राजन को सामान्य चोट आई है। दूसरी ओर, पुरोला क्षेत्र के खलाड़ी के पास शनिवार शाम एक डंपर सड़क से नीचे गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पुलिस के अनुसार डंपर वाहन खलाड़ी के पास अचानक अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे जा गिरा। डंपर में केवल चालक ही सवार था। हादसे के दौरान चालक राजेंद्र सिंह (54) पुत्र बलबीर सिंह, निवासी ग्राम देवढुंग, तहसील पुरोला ने समय रहते वाहन से कूदकर जान बचा ली।

चौरड़ा की ममंद अध्यक्ष व प्रधान सहित 30 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज

चमोली। विधानसभा सत्र के दौरान सड़क के लिए प्रदर्शन करने के मामले में ब्लॉक के चोरड़ा गांव की ममंद अध्यक्ष, ग्राम प्रधान समेत 20 से 30 अज्ञात लोगों के खिलाफ पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने बलवा, लोक सेवक पर हमला सहित बीएनएस की कई अन्य धाराओं में प्राथमिकी दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है।

भराड़ीसैंण विधानसभा में बजट सत्र के दौरान बीते 10 मार्च को चोरड़ा के ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया था। इस दौरान गांव के लिए सड़क की मांग को लेकर चोरड़ा के प्रधान सूरज सिंह, ममंद अध्यक्ष कविता देवी व प्रेम सिंह के साथ कई अन्य लोग भी प्रदर्शन करते हुए विधानसभा परिसर के पास तक पहुंच गए थे। इस दौरान सुरक्षा में लगी पुलिस की ओर से सभी प्रदर्शनकारियों को पूर्वाह्न 11 बजे हिरासत में लेकर वाहन से अस्थायी जेल मालसी ले जाया गया। कोतवाली के एसएचओ मनोज सिरौला ने कहा कि बलवा, लोक सेवक पर हमला, गृह अतिचार सहित अन्य मामलों में चोरड़ा के सूरज सिंह, प्रेम सिंह, कविता देवी व अन्य 20 से 30 अज्ञात लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की है।

शहर में मैक्स वाहनों की बढ़ रही संख्या, पार्किंग की नहीं व्यवस्था

कोटद्वार पटेल मार्ग पर बेतरतीब तरीके से खड़े वाहन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः शहर में लगातार मैक्स वाहनों की संख्या बढ़ती जा रही है। लेकिन, इन वाहनों को खड़ा करने के लिए पार्किंग स्थल तक नहीं है। नतीजा, अधिकांश वाहन पूरे दिन सड़कों पर ही बेतरतीब तरीके से खड़े रहते हैं। सबसे बुरी स्थिति पटेल मार्ग की बनी हुई है। जहां सड़क पर गैराज के साथ ही अवैध पार्किंग आमजन की मुश्किलें बढ़ा रही है। शिकायत के बाद भी सरकारी सिस्टम समस्या को लेकर गंभीरता नहीं दिखा रहा। ऐसे में कब बड़ा हादसा हो जाए, कुछ कहा नहीं जा सकता।

वर्तमान में शहर में करीब एक हजार मैक्स वाहन संचालित हो रहे हैं। प्रतिवर्ष इन वाहनों की संख्या में इजाफा भी देखने को मिल रहा है। लगातार बढ़ रही मैक्स वाहनों की संख्या यातायात के लिए एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। दरअसल, शहर में कहीं भी इन वाहनों को खड़ा करने के लिए पार्किंग स्थल तक नहीं बनाया गया।

ऐसे में वाहन चालक बीच सड़क पर ही वाहनों को खड़ा कर सवारियां भरने लगते हैं। पटेल मार्ग व स्टेशन रोड पर सबसे बुरी स्थिति बनी रहती है।

सड़क पर खड़े इन वाहनों के कारण पूरे दिन जाम की स्थिति देखने को मिलती है। पूर्व में शहरवासी कई बार प्रशासन को समस्या से अवगत करवाया चुके हैं। लेकिन, अब तक इस ओर ध्यान नहीं दिया गया।

सड़क पर भरनी पड़ती है सवारी

पार्किंग स्थान व स्थाई मैक्स अड्डा नहीं होने से मैक्स वाहनों को सड़क पर ही वाहन खड़ा कर सवारियां भरनी पड़ती है। ऐसे में कई बार दुर्घटनाओं का भी अंदेशा बना रहता है।

कई बार मैक्स वाहन संचालक वाहन की रफ्तार धीमी कर सवारियों को बैठाते हुए आसानी से देखे जा सकते हैं। बावजूद इसके सरकारी सिस्टम लापरवाह बना हुआ है।

सिलेंडर के लिए सुबह से ही उमड़ रही भीड़

कोटद्वार में सिलेंडर के इंतजार में खड़े उपभोक्ता

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारःकोटद्वार में रसोई गैस के लिए मारामारी थमने का नाम नहीं ले रही। एजेंसी व अन्य जगहों पर सुबह से ही सिलेंडर के लिए कतारे लग रही हैं।

भले ही प्रशासन क्षेत्र में रसोई गैस सिलिंडरों की पर्याप्त उपलब्धता का दावा कर रहा हो, लेकिन उपभोक्ताओं में मची अफरा–तफरी थमने का नाम नहीं ले रही। रविवार को भी सुबह से ही एजेंसी व अन्य स्थान में लोगों की भीड़ उमड़ी हुई थी। सिलेंडर के लिए लोगो को लंबा इंतजार करना पड़ा। दरअसल, रसोई गैस सिलिंडर की आनलाइन बुकिंग में आ रही तकनीकी दिक्कतों के चलते प्रशासन ने उपभोक्ताओं को सीधे गैस एजेंसी पहुंचकर बुकिंग कराने के निर्देश दिए थे।

इसके बाद सुबह से ही एजेंसियों के बाहर लोगों की भीड़ उमड़ रही है एक ओर जहां उपभोक्ता गैस बुकिंग के लिए लंबी लाइन में खड़े नजर आए, वहीं पहले से बुकिंग करवा चुके उपभोक्ता सिलिंडर लेने के लिए अलग कतार में दिखाई दिए।

आंधी से फलों के बौर को नुकसान

कोटद्वार। रविवार सुबह अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। सुबह करीब छह बजे आंधी चली। इससे बागवानी को नुकसान पहुंचा। वहीं, बादल छाने के साथ ही बूंदाबांदी भी हुई। इससे मौसम ने करवट बदली और फिर से कुछ ठंडक लौट आई। लोगों ने स्वेटर आदि गर्म कपड़े फिर से निकाल लिए। कोटद्वार के भाबर क्षेत्र और इससे सटे गांवों में कई जगह लोग आम, लीची आदि फलों की बागवानी करते हैं। आंधी से फलों के बौर को काफी नुकसान पहुंचा। बागवानों का कहना था कि इस बार आम के पेड़ों पर अच्छा बौर नजर आ रहा था। लीची समेत कुछ अन्य फलों के पेड़ों पर भी बौर आना शुरू हो गया था लेकिन अच्छी फसल मिलने की उनकी उम्मीदों पर पानी फिर गया। वहीं रविवार सुबह करीब 6:00 बजे आंधी आने के बाद तीन घंटे तक लैंसडौन क्षेत्र की बिजली गुल रही। बादल छाने से अंधेरा पसरा रहा। बगैर बिजली के लोग परेशान रहे। वहीं, आंधी इतनी जबरदस्त थी कि लोगों की नींद उड़ी रही। यहां तक कि लोग घरेलू सामान को संभालने की मशक्कत में लगे रहे। कुछ जगहों पर फाइबर शीट और टिनशेड आंधी में उड़ने से लोगों को नुकसान पहुंचा। गनीमत रही कोई हादसा पेश नहीं आया।

कानूनी प्रक्रियाओं व नैतिक मूल्यों की दी जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीःहेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि में स्टार्टअप के लीगल एवं एथिकल स्टेप्स विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता एनआईटी श्रीनगर के डॉ. अखिलेश नौटियाल ने छात्र–छात्राओं को स्टार्टअप की स्थापना के लिए आवश्यक कानूनी प्रक्रिआओं और नैतिक मूल्यों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उद्यमिता देश के आर्थिक विकास और आत्मनिर्भरता की धुरी है। विवि के रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल के निदेशक प्रो. हेमवती नंदन ने भारत सरकार की विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं से अवगत कराया। वहीं, डॉ. संजय उपाध्याय ने भी आर्थिक विकास में स्टार्टअप की भूमिका पर जोर दिया। डॉ. भास्करन ने नवाचार को बढ़ावा देने वाले "युक्ति पोर्टल" के बारे में बताया। कार्यक्रम में आईआईसी अध्यक्ष प्रो. एनएम गोविंदन, डॉ. गुंजन गोस्वामी और धन्यवाद ज्ञापित करने वाले डॉ. विनीत कुमार मौर्य सहित कई शोधार्थी मौजूद रहे।

मार्ग को एलिवेटेड बनाने के लिए धरना जारी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः लालढांग–चिलरखाल वन मोटर मार्ग को एलिवेटेड बनाने की मांग को लेकर लोगों का धरना रविवार को भी जारी रहा। आंदोलन पर डटे लोगों ने प्रदेश सरकार को मार्ग निर्माण नहीं होने तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी है। कहा कि जनता की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। रविवार को लोगों ने चिलरखाल वन चौकी के समय बैठक धरना दिया। लोगों ने कहा कि वह पिछले कई माह से मार्ग निर्माण को लेकर धरना दे रहे हैं। 12 फरवरी को न्यायालय ने मार्ग निर्माण की स्वीकृति दी। लेकिन, अब तक सरकार मार्ग निर्माण की स्थिति को नहीं बता पाई है। कहा कि क्षेत्रवासी केवल एलिवेटेड मार्ग ही चाहते हैं। मार्ग के बेहतर निर्माण से ही क्षेत्र का बेहतर विकास होगा। साथ ही सिगड्डी के मंद पड़े व्यापार को भी गति मिलेगी। यही नहीं, इस मार्ग का निर्माण होने से कण्वाश्रम को भी नहीं पहचान मिलेगी। शहरवासियों को राजधानी देहरादून जाने के लिए उत्तर प्रदेश की सड़क से नहीं जाना पड़ेगा। कोटद्वार को राजधानी से जोड़ने का एक बेहतर विकल्प मिलेगा। कहा कि स्थानीय जनता लंबे समय से मार्ग निर्माण को धरना दे रही है। लेकिन, अब तक सरकार चुप्पी साधे हुए है।

कोटद्वार नगर निगम के अंतर्गत चिलरखाल वन चौकी के समीप धरना देते लोग

विद्यार्थियों ने विद्यालय की दहलीज पर चढ़ाये फूल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारःपब्लिक इंटर कॉलेज सुरखेत में फूलदेई पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया। बच्चों ने विद्यालय भवन की कक्षाओं की दहेज पर फूल चढ़ाए। इस दौरान शिक्षकों ने विद्यार्थियों को फुलदेही पर्व के महत्व के बारे में बताया। छात्र–छात्राओं, शिक्षक – शिक्षिकाओं व कार्मिकों ने विद्यालय के प्रशासनिक भवन , प्रयोगशालाओं और कक्षा–कक्षों की दहलीज पर फूल चढ़ाकर फूलदेई पर्व मनाया।छात्रों ने गीत गाकर विद्यालय की सुख–समृद्धि और खुशहाली की मंगलकामना की। विद्यालय परिवार को फूलदेई पर्व की शुभकामनाएं देते हुए प्रधानाचार्य पुष्कर सिंह नेगी ने बताया कि फूलदेई प्रकृति और लोक परम्पराओं से जुड़ा एक बालपर्व है, जो देवभूमि उत्तराखंड के कुमाऊं और गढ़वाल दोनों अंचलों में हर्षोल्लास से मनाया जाता है। चैत्र मास की संक्रान्ति से शुरू होने वाले इस बालपर्व पर बच्चों की टोलियां बसन्त ऋतु के आगमन की खुशी में घर– घर जाकर घरों की दहलीज पर फ्योंली, बुरांश,सरसों व अन्य फूलों को अर्पित करके तथा फूलदेई गीत गाकर लोगों की खुशहाली व सुख समृद्धि की मंगलकामना करते हैं। फूलदेई का पर्व न केवल प्रकृति के प्रति सम्मान का संदेश देता है बल्कि समाज में प्रेम, भाईचारा और सांस्कृतिक एकता को भी मजबूत बनाता है। इस अवसर पर शिक्षक दिनेश सिंह बिष्ट, प्रमोद रावत, रोशन लाल गौड़, बिजेंद्र बिष्ट, मोहन सिंह भण्डारी, गणेश भट्ट, सतीश चन्द्र थपलियाल,सुन्दर लाल, रश्मि, मंजू नेगी के साथ ही छात्र –छात्राएं उपस्थित रहे।

पब्लिक इंटर कॉलेज सुरखेत में फुलदेही पर्व मनाते विद्यार्थी।

गैस नहीं थी तो महिला ने पार्किंग में चूल्हे में बनाया भोजन

उत्तरकाशी। नगर पालिका के वार्ड नंबर चार में रसोई गैस की किल्लत ने एक गरीब मजदूर परिवार की मुश्किल बढ़ा दी। परिवार के तीन बच्चों व बीमार घायल पति के साथ मजदूर महिला पार्किंग में लकड़ी से चूल्हा जलाने को मजबूर हो गई। हालांकि स्थानीय जनप्रतिनिधियों को जब इस बात का पता चला तो परिवार के लिए सिलिंडर की व्यवस्था करने के साथ ही जरूरी राशन सामग्री भी उपलब्ध करा दी गई। नेपाली मजदूर महिला हेमा ने बताया कि कल तक पड़ोस से गैस सिलिंडर मांग कर अपनी झोपड़ी में बच्चों के लिए खाना बना लेती थी लेकिन अब गैस की किल्लत ने दिक्कत बढ़ा दी है। कुछ दिन पहले हेमा का पति काम करते घायल हो गया था। उसका इलाज देहरादून के अस्पताल में चल रहा है। ऐसे में एक तो गैस नहीं और ऊपर से तीनों बच्चों की जिम्मेदारी हेमा के कंधों पर आ गई है। गैस न होने पर बीते शनिवार को पड़ोसी से पार्किंग में चूल्हा जलाने की अनुमति मांग कर लकड़ी के चूल्हे पर बच्चों के लिए भोजन तैयार किया। हालांकि मामला सामने आने के बाद वार्ड नंबर चार की सभासद करुणा बिष्ट सहित कई स्थानीय लोग हेमा की मदद के लिए आगे आए। परिवार को आटा चावल, तेल सहित अन्य खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई है।

सिंगटाली पुल का निर्माण जल्द पूरा किया जाए

कोटद्वार। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने गंगा नदी पर बहुप्रतीक्षित सिंगटाली पुल निर्माण अविलंब शुरू करने की मांग उठाई है। उन्होंने इस संबंध में मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा है। लंबे समय से लटके 57 करोड़ की लागत से बनने वाले 150 मीटर लंबे सिंगटाली पुल की वित्तीय स्वीकृति पिछले साल हो चुकी है। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने ज्ञापन में कहा कि पिछले डेढ़ दशकों से सिंगटाली पुल का मामला लंबित है। शासन की वित्त समिति की ओर से स्वीकृति दिए जाने के बाद पुल निर्माण की अन्य औपचारिकताएं भी शीघ्र पूरी कर पुल का निर्माण किया जाए। सिंगटाली पुल निर्माण से सतपुली से देहरादून की दूरी 25 किमी तक कम हो जाएगी। इससे जनपद के एकेश्वर, द्वारीखाल, कल्जीखाल, जयहरीखाल, पोखड़ा, थलीसैंण ब्लॉक के सैकड़ों गांवों के ग्रामीणों के राजधानी देहरादून तक पहुंचने में धन और समय दोनों की बचत होगी। सिंगटाली पुल कौड़ियाला में गंगा नदी पर सिंगटाली नामक स्थान पर बनना है। सतपुली से व्यासघाट और कांडी खंड होते हुए सीधे सतपुली क्षेत्र को कौड़ियाला से जोड़ेगा और सतपुली से देहरादून जाने के लिए व्यासघाट से देवप्रयाग नहीं जाना पड़ेगा। ज्ञापन में मुख्यमंत्री से सिंगटाली पुल निर्माण की सभी औपचारिकताओं को शीघ्र पूरा करने की मांग की गई। ज्ञापन भेजने वालों में व्यापार मंडल अध्यक्ष जयदीप नेगी, मनीष रौतेला, मदन पंवार, विक्रम सिंह रावत, मुकेश बिष्ट आदि शामिल रहे।

यमुनोत्री धाम के वैकल्पिक पैदल मार्ग का सुधारीकरण शुरू

उत्तरकाशी। आगामी चारधाम यात्रा की तैयारियों के तहत यमुनोत्री धाम के वैकल्पिक पैदल मार्ग को सुगम बनाने के लिए वन विभाग ने सुधारीकरण का कार्य शुरू कर दिया है। करीब 15 लाख की लागत से मार्ग को दुरुस्त किया जा रहा है। यात्रा के दौरान बढ़ने वाली भीड़ के समय इसे वैकल्पिक मार्ग के रूप में सुचारूरूप से इस्तेमाल किया जा सके। इस वर्ष अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर यमुनोत्री धाम के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोले जाएंगे जिसके साथ ही चारधाम यात्रा का विधिवत शुभारंभ होगा। यात्रा शुरूहोने से पहले संबंधित विभागों की ओर से मुख्य यात्रा मार्ग के साथ–साथ वैकल्पिक मार्गों को भी आवागमन के लिए दुरुस्त किया जा रहा है। यमुनोत्री धाम के मुख्य पैदल मार्ग पर भंडेलीगाड़ से यमुनोत्री धाम तक एक वैकल्पिक पैदल मार्ग भी है। यात्रा के पीक सीजन में जब मुख्य पैदल मार्ग पर यात्रियों की संख्या बढ़ जाती है। तब मार्ग का उपयोग वैकल्पिक रास्ते के रूप में किया जाता है। इससे मुख्य मार्ग पर भीड़ का दबाव कम होता है और यात्रियों की आवाजाही सुगम बनी रहती है। अपर यमुना वन प्रभाग, बड़कोट के प्रभागीय वनाधिकारी रविन्द्र पुंडीर ने बताया कि यदि मौसम अनुकूल रहा तो यात्रा शुरूहोने से पहले ही इस वैकल्पिक पैदल मार्ग के सुधारीकरण का कार्य पूरा कर इसे आवागमन के लिए पूरी तरह तैयार कर दिया जाएगा।

पीपलकोटी पहुंची चंडिका देवी की दिवारा यात्रा

चमोली । जिलासू गांव की आराध्य चंडिका देवी की दिवारा यात्रा रात्रि प्रवास के लिए पीपलकोटी पहुंच गई है। स्थानीय लोगों ने देवी का फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया। जिलासू की चंडिका देवी की दिवारा यात्रा इन दिनों दशोली व ज्योतिर्मठ क्षेत्र के भ्रमण पर है। रविवार को देवी की यात्रा ज्योतिर्मठ से पीपलकोटी पहुंची। यात्रा पीपलकोटी में ही रात्रि प्रवास करेगी। इस दौरान समिति के अध्यक्ष दिलबर सिंह चौहान, सतीश रावत, सत्येंद्र नेगी, हिम्मत रावत, देवेंद्र राणा, परमजीत कंडारी सहित अन्य लोग मौजूद रहे। माता के ब्रह्म निशान ने ढोल–दमाऊंकी थाप पर नृत्य किया और भक्तों को दर्शन किए।

उक्रांद कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों की गिरफ्तारी पर जताया रोष

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः गैरसेंण को स्थायी राजधानी घोषित करने सहित विभिन्न मांगों को लेकर धरना दे रहे कार्यकर्ताओं व पदाधिकारी की गिरफ्तारी पर उत्तराखंड क्रांति दल ने रोष व्यक्त किया है। कहा कि सरकार जनता की आवाज उठाने वालों का शोषण कर रही है।

उक्रांद कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने तहसील में धरना दिया। वक्ताओं ने कहा कि पहाड़ के बेहतर विकास के लिए उत्तराखंड राज्य गठन की लड़ाई लड़ी गई थी। लेकिन बारी–बारी से सत्ता में आई केंद्रीय पार्टियों ने जनता को लूटने का कार्य किया। पहाड़ में आज भी जनता विकास को तरस रही है। रोजगार, शिक्षा के भाव में ग्रामीण पलायन को मजबूत हो रहे हैं। 25 वर्ष बाद भी प्रदेश को अस्थाई राजधानी नहीं मिल पाई। बताया कि कुछ दिन पूर्व गैरसेंण में जनता की समस्याओं को लेकर संघर्ष कर रहे उक्रांद कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। जनता की आवाज उठाने वाले कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस मौके पर महेंद्र रावत, सत्यप्रकाश भारद्वाज, हरिश्चंद्र द्विवेदी, पंकज डबराल, उमेद सिंह, कुलभूषण नेगी, भारत मोहन आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार तहसील में प्रदर्शन करते उक्रांद कार्यकर्ता व पदाधिकारी

खोह नदी में झील निर्माण की मांग ने पकड़ा जोर

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार। खोह नदी में झील निर्माण की मांग एक बार फिर जोर पकड़ने लगी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि झील निर्माण से क्षेत्र में पर्यटन व्यवसाय को पंख लगेंगे। इससे व्यापारियों व लोगों को लाभ मिलेगा और क्षेत्र से हो रहे पलायन पर भी अंकुश लगेगा। करीब डेढ़ वर्ग किमी में फैला पालिका क्षेत्र दुगड्डा लंगूरगाड व सिलगाड नदी के संगम पर स्थित है। इसके बाद दोनों नदियां मिलकर खोह नदी का स्वरूप ले लेती हैं। इन नदियों के पानी का उपयोग निकटवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में हाइड्रम योजना के माध्यम से कृषि कार्यों के लिए किया जाता था। दोनों नदियों में जल संरक्षण कार्य न कराए जाने व कृषि जोत बंजर होने से प्राकृतिक जलस्रोत विलुप्त होने के कगार पर पहुंच गए हैं। नदियों में निरंतर जल प्रवाह बनाए रखने और बरसात समाप्त होने के बाद जल संरक्षण के लिए झील ही एकमात्र विकल्प नजर आता है। इसे देखते हुए पिछले साल शहीद मेले में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे मुख्यमंत्री से क्षेत्रीय विधायक रेनू बिष्ट ने दुगड्डा में झील का निर्माण कराने की मांग की थी। व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष जयप्रकाश डबराल, व्यापारी बीएस भंडारी, पूर्व सैनिक जगमोहन सिंह रावत ने कहा कि पहाड़ों के प्राकृतिक सौंदर्य से रूबरू होने के लिए वीकेंड व पर्यटन सीजन में बाहरी राज्यों से सैकड़ों पर्यटक पहुंचते हैं। दुगड्डा के निकट नदी में झील का निर्माण कराने से पर्यटकों के लिए यह आकर्षण का केंद्र बन सकता है। पर्यटकों के रुकने से व्यापारियों को इसका लाभ मिलेगा।

क्षेत्र में हो रहे पलायन पर भी अंकुश लगेगा। क्षेत्रवासियों ने अविलंब झील का निर्माण कराने की मांग उठाई है।

दुगड्डा में झील निर्माण की डीपीआर गठन के लिए प्राक्कलन शासन को भेजा गया है जिसमें सर्वेक्षण व डीपीआर तैयार किया जाना है। – कुलदीप पाल, एसडीओ सिंचाई खंड दुगड्डा।

सौंदकोटी गांव में शादी–ब्याह में शराब पर पूर्ण प्रतिबंध

नई टिहरी। सौंदकोटी गांव भी शराबबंदी की मुहिम में शामिल हो गया। ग्राम पंचायत की बैठक में शादी–विवाह, धार्मिक व मांगलिक कार्यक्रमों में शराब और बीयर पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव पारित किया गया। नियमों का उल्लंघन करने वाले परिवार पर 11 हजार रुपये का जुर्माना और बहिष्कार करने का निर्णय लिया गया। निगरानी के लिए ग्राम समाज सुधार समिति का गठन किया गया। सुनीता देवी समिति की अध्यक्ष और उत्तम सिंह सचिव चुने गए। सौंदकोटी गांव में ग्राम प्रधान मंगल सिंह नेगी की अध्यक्षता में हुई बैठक में ग्रामीणों ने नशे की बढ़ती प्रवृत्ति और उससे उत्पन्न होने वाली समस्याओं पर चर्चा की। कहा कि युवा पीढ़ी के भविष्य के लिए शराब पर प्रतिबंध लगाना जरूरी है।

सेम मुखेम मंदिर क्षेत्र में बढ़ेगी सुविधाएं, दो करोड़ मंजूर

नई टिहरी। सेम मुखेम मंदिर क्षेत्र में श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। भड़बागीसौड़ से मंदिर तक करीब दो किमी लंबे पैदल मार्ग पर टिनशेड, कैनोपी और रेलिंग लगाने का कार्य किया जाएगा। कार्यों के लिए प्रदेश सरकार की ओर से दो करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति मिल गई है। इसके अलावा श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्था के लिए 24 लाख रुपये की लागत से बनी धर्मशाला भी तैयार हो चुकी है जिसका जल्द लोकार्पण किया जाएगा। सेम–मुखेम मंदिर समिति के अध्यक्ष गोविंद रावत ने पत्रकार वार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने मंदिर क्षेत्र में अवस्थापना सुविधाओं के विकास के लिए वित्तीय स्वीकृति देने पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार जताया। अध्यक्ष रावत ने बताया कि वर्ष 2017 से अब तक प्रदेश सरकार की ओर से सेम मुखेम धाम के विकास के लिए कई योजनाएं शुरू की गई हैं। मुख्यमंत्री धामी ने सेम–मुखेम मेले को राजकीय मेला घोषित किया है। इसके अलावा पर्यटन विभाग की ओर से यहां गेस्ट हाउस संचालित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए पार्किंग सुविधा विकसित की जा रही है। कौडार–दीनगांव–मुखेम मोटर मार्ग को डेढ़ लेन किया जा रहा है जिससे यातायात व्यवस्था बेहतर हो सके। उन्होंने कहा कि इस बार आयोजित मेले में देश के विभिन्न राज्यों के साथ ही विदेशी श्रद्धालु भी बड़ी संख्या में भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन के लिए पहुंचे, जो क्षेत्र के बढ़ते धार्मिक पर्यटन का संकेत है। उन्होंने क्षेत्रीय विधायक पर आरोप लगाते हुए कहा कि वह सस्ती लोकप्रियता के लिए पूर्व विधायक विजय पंवार और उनके प्रस्तावों पर स्वीकृत सड़कों का श्रेय ले रहे है जबकि मुखेम–धनड़गांव, सदगांव–रैका और सौंदगढ़–चाका–सिलोड़ा मोटर मार्ग को मुख्यमंत्री घोषणा में शामिल कराकर पूर्व विधायक ओर से ही वित्तीय स्वीकृति दिलाई गई है।

पेंशन बढ़ोतरी में देरी होने पर आंदोलनकारियों ने जताया रोष

नई टिहरी। उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी मंच की बैठक में आंदोलनकारियों की पेंशन बढ़ाने की घोषणा पर अमल न होने पर कड़ा आक्रेश जताया। सरकार से जल्द पेंशन बढ़ाने और धनराशि जारी करेन की मांग की है। बौराड़ी में मंच के कार्यकारी अध्यक्ष देवेंद्र नौडियाल की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई। बैठक में पांच अप्रैल को आंदोलनकारियों का जिला सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया गया। सामुदायिक मिलन केंद्र बौराड़ी में सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। जिले के सभी आंदोलनकारियों से संपर्क कर सम्मेलन में आमंत्रित किया जाएगा। नई टिहरी में निर्माणाधीन शहीद स्मारक का जल्द निर्माण पूरा करने की मांग की गई।

संक्षिप्त समाचार

नौ माह से बेटे के जन्म प्रमाणपत्र के लिए चक्कर काट रहा पिता

पौड़ी। विकासखंड कीर्तिनगर के अंतर्गत जखंड गांव का एक व्यक्ति नौ माह से अपने बेटे का जन्म प्रमाणपत्र बनाने के लिए भटकने के लिए मजबूर है। गत वर्ष जुलाई माह में उन्होंने जन्म प्रमाणपत्र बनाने के लिए आवेदन किया था लेकिन तब से उनके बेटे का जन्म प्रमाणपत्र नहीं बन पाया है। यदि जल्द जन्म प्रमाणपत्र नहीं बना तो वह डीएम टिहरी व देवप्रयाग विधायक से भी इसकी शिकायत करेंगे। जखंड गांव के विपिन स्वरूप डोभाल ने बताया कि गत वर्ष जुलाई माह में उन्होंने अपने बेटे के जन्म प्रमाणपत्र के लिए आवेदन किया था। तब उन्हें दो–चार दिन में प्रमाणपत्र बन जाने का आश्वासन दिया गया था लेकिन अब नौ माह बीत चुके हैं मगर जन्म प्रमाणपत्र नहीं बन पाया है। प्रमाणपत्र बनाने के लिए जो भी औपचारिकताएं होती हैं वह भी पूरी कर ली गई हैं। इसके लिए कभी सीएससी सेंटर व कभी ब्लॉक मुख्यालय के चक्कर काटने के लिए विवश हैं। खंड विकास अधिकारी कीर्तिनगर सुमनलता ने कहा कि वीपीडीओ से इस संदर्भ में रिपोर्ट मांगी गई है। किस स्तर पर गड़बड़ी हुई है उसका समाधान कर जन्म प्रमाणपत्र उपलब्ध करा दिया जाएगा।

बच्चे के गले में ढक्कन फंसने की आशंका पर लाए अस्पताल

चमोली। एक बच्चे के गले में ढक्कन फंसने की आशंका पर परिजन उसे अस्पताल लाए। हालांकि अस्पताल में चिकित्सकीय परीक्षण में बच्चे की हालात सामान्य मिली। ग्राफिक एरा अस्पताल के एंबुलेंस चालक देव सिंह नेगी और सोहन कुमार ने बताया कि गलनाऊ में किसी परिजन ने बताया कि पांच वर्षीय उनके बच्चे ऐश्वर्य के गले में ढक्कन फंस गया है। इस पर वह बच्चे को अपनी एंबुलेंस में कर्णप्रयाग अस्पताल लाए। उपजिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. बीपी पुरोहित ने बताया कि वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. मनोज मिश्रा, ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. अल्का नेगी ने बच्चे की जांच की और एक्सरे कराया। मगर बच्चे के पेट, गले में ढक्कन जैसी कोई चीज नहीं मिली है। बच्चे को प्राथमिक उपचार दिया गया है और हालात सामान्य है। परिजनों को उसका सिटी स्कैन करने की सलाह दी गई है।

उक्रांद ने बूथ अध्यक्षों की बैठक कर बनाई रणनीति

चमोली। उत्तराखंड क्रांति दल ने संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत करने का काम शुरू कर दिया है। दल ने रविवार को बंड क्षेत्र के गांवों में बूथ अध्यक्षों के साथ बैठक कर संगठन को मजबूत करने की रणनीति पर चर्चा की। उन्हें हर गांव में कम से कम 10 लोगों की टीम तैयार करने को कहा है। पीपलकोटी के एक होटल में कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। जिला कार्यकारी अध्यक्ष पंकज पुरोहित ने कहा कि शहीदों के संकल्प को पूरा करना है तो घर–घर जाकर उक्रांद को मजबूत करना होगा। नगर अध्यक्ष सुदर्शन नेगी ने कहा कि बंड क्षेत्र के सभी 13 गांवों में बूथ अध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं। उन सभी के साथ बैठक कर प्रशिक्षण दिया गया है। हर बूथ अध्यक्ष बूथ व राजस्व गांव में कम से कम 10 लोगों की टीम तैयार करें। संगठन मंत्री अंकित पंत ने उक्रांद की विचारधारा और मूल निवासियों के हितों की बात घर–घर तक पहुंचाने पर जोर दिया। केंद्रीय महामंत्री बृजमोहन सजवाण ने कहा कि बूथ जीतो चुनाव जीतो अभियान शुरू हो गया है इसका परिणाम भी बहुत जल्द नजर आएगा। इस दौरान दशोली प्रभारी सूरज नेगी, आशीष डंडरियाल, आशीष रावत, भरत भूषण, रोहित नेगी, अजय कुंवर और विष्णु पंवार मौजूद रहे।

बेस अस्पताल में खुलेगा आंचल डेयरी कैफे

श्रीनगर गढ़वाल। मरीजों और उनके तीमारदारों की सुविधा के लिए श्रीनगर के श्रीकोट स्थित बेस चिकित्सालय परिसर में जल्द आंचल डेयरी की ओर से आंचल कैफे शुरू किया जाएगा। कैफे खुलने से मरीजों और तीमारदारों को दूध और अन्य जरूरी खाद्य सामग्री के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। बेस चिकित्सालय में पौड़ी, टिहरी, रुद्रप्रयाग और चमोली जिलों से बड़ी संख्या में मरीज पहुंचते हैं। आंचल कैफे शुरू होने के बाद उन्हें एक ही स्थान पर जरूरी खाद्य सामग्री आसानी से उपलब्ध हो सकेगी। कैफे में आंचल डेयरी के विभिन्न उत्पाद जैसे दूध, दही, पनीर, घी सहित अन्य डेयरी उत्पाद उचित दामों पर उपलब्ध रहेंगे। इसके साथ ही चाय–नाश्ता, बेकरी आइटम और अन्य खाने–पीने की सामग्री भी उपलब्ध कराई जाएगी। आंचल डेयरी के प्रधान प्रबंधक श्रवण कुमार शर्मा ने बताया कि कैफे के आवंटन की प्रक्रिया जल्द पूरी कर ली जाएगी।

समारोह के लिए शराब पहुंचाने पर भड़कीं महिलाएं, बोतलें छीनकर फोड़ दीं

चमोली। क्षेत्र में सार्वजनिक कार्यों में शराब पीने और पिलाने पर प्रतिबंध के बावजूद कुछ लोगों की ओर से शादी समारोह के लिए गांव में शराब पहुंचाने पर ईराणी गांव की महिलाएं भड़क गईं। महिलाओं ने युवकों से शराब की बोतलें छीनकर फोड़ दीं। कहा कि शराब से क्षेत्र का माहौल खराब हो रहा है। इसके बाद भी कुछ लोगों की ओर से माहौल बिगाड़ने का काम किया जा रहा है। उन्होंने युवाओं को हिदायत देकर छोड़ा, दोबारा पकड़े जाने पर 51000 रुपये जुर्माना लगेगा।

दरअसल बीते माह निजमुला घाटी के पाणा, ईराणी और झींझी गांव में महिला मंगल दल की ओर से सार्वजनिक कार्यों में शराब पीने और पिलाने पर प्रतिबंध लगाया गया। होली पर्व पर भी क्षेत्र में शराब नहीं पी गई। मगर बीते शुक्रवार को देर शाम क्षेत्र में शादी समारोह होने के कारण गांव के ही कुछ लोग शराब लेकर जा रहे थे जिन्हें महिला मंगल दल और युवक मंगल दल ने मौके पर जाकर शराब के साथ पकड़ गया। उन्होंने शराब की बोतलें छीनकर उन्हें मौके पर ही नष्ट कर दिया। महिला मंगल दल अध्यक्ष जयंती देवी और यमंद अध्यक्ष अंकित सिंह ने कहा कि ईराणी गांव में शराब पर पूर्ण प्रतिबंध है। शराब ला रहे युवाओं को हिदायत देकर छोड़ दिया गया है। चेतावनी दी यदि दोबारा गांव में शराब पहुंचाई गई तो 51000 रुपये जुर्माना वसूला जाएगा। इस मौके पर अनीता देवी, ऊषा, अंजना, विजय सिंह, धीरज सिंह आदि शामिल रहे।

रविग्राम वार्ड में भी सार्वजनिक कार्यों में शराब पर प्रतिबंध

चमोली। रविग्राम वार्ड के लोगों ने भी शराब को प्रतिबंधित करने का निर्णय लिया है। सार्वजनिक कार्य में शराब पिलाने पर 21 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया जाएगा। लोगों ने बैठक कर निर्णय लिया कि किसी भी सार्वजनिक कार्यों में शराब सहित मादक पदार्थ का सेवन प्रतिबंधित रहेगा। किसी व्यक्ति या परिवार की ओर से उल्लंघन करने पर 21 हजार का जुर्माना लगाया जाएगा। साथ ही संबंधित परिवार का सामाजिक बहिष्कार भी होगा। बैठक की लिखित सूचना पुलिस को भी दी गई। इस मौके पर सभासद प्रवेश डिमरी, ममंद अध्यक्ष गुड्डी देवी भुजवाण, पूजा समिति के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद डिमरी, सांस्कृतिक परिषद के अध्यक्ष महेंद्र नंबूरी, वन पंचायत सरपंच हर्षवर्धन भट्ट, भास्कर डिमरी, समीर डिमरी, वैभव सकलानी, अनिल डिमरी, उर्मिला बहुगुणा आदि मौजूद रहे।

पारंपरिक वेशभूषा में बच्चों ने निकाली शोभायात्रा, फूलदेई के गीत गाए

श्रीनगर गढ़वाल। उत्तराखंड का प्रसिद्ध लोकपर्व फूलदेई का त्योहार उल्लास के साथ मनाया गया। विभिन्न विद्यालयों से बच्चे (फुलारियों) पारंपरिक वेशभूषा में नागेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे और यहां से शोभायात्रा निकाली गई। इसी दौरान फूल देई, छम्मा देई दैणी द्वार, भर भकार समेत कई गीत गाए। वही वही घरों की दहलीजों पर फूल डालकर सुख–समृद्धि की कामना की गई।फूलदेई आयोजन एवं सांस्कृतिक कला मंच श्रीनगर की ओर से रविवार को फूलदेई पर भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। सुबह नागेश्वर महादेव मंदिर में ढोल–दमांऊ और मशकबीन के साथ पारंपरिक वेशभूषा में सजे बच्चों ने हाथों में फूलों की टोकरी लेकर व घोंघा माता की डोली को कंधे पर रखकर फूलदेई के गीतों के साथ शोभा यात्रा की शुरुआत की। इसके बाद शोभायात्रा पुष्प वर्षा करते हुए तथा लोगों के घरों की दहलीजों पर फूल डालते हुए बांस बाड़ा, अपर बाजार, सब्जीमंडी, गोला बाजार, गणेश बाजार सहित नगर के मुख्यमार्गों से गुजरी। इस दौरान बड़ी संख्या में नगर के लोगों ने शोभायात्रा का स्वागत किया। अंत में एक वेडिंग प्वाइंट में शोभायात्रा का समापन किया गया। इस मौके पर मेयर आरती भंडारी, जिला पंचायत अध्यक्ष रुद्रप्रयाग पूनम कठैत, प्रमुख अनिल भंडारी, नरेश नौटियाल, मुकेश काला, अरविंद नेगी, सूर्य प्रकाश नौटियाल, प्रमिला भंडारी और पूजा गौतम आदि मौजूद थे।

घनसाली में रसोई गैस की किल्लत से उपभोक्ता परेशान

नई टिहरी। घनसाली में रसोई गैस की किल्लत से उपभोक्ता परेशान हैं। वहीं नरेंद्रनगर में रसोई गैंस की बुकिंग का समय 45 दिन किए जाने पर लोग भड़क उठे। घनसाली बाजार में चार दिन बाद रसोई गैस सिलिंडर का ट्रक पहुंचा लेकिन कई उपभोक्ताओं को खाली हाथ लौटना पड़ा। स्थानीय निवासी विजय चौहान, राजू कुमार ने बताया कि गत कई दिनों से क्षेत्र में रसोई गैस की नियमित आपूर्ति नहीं होने से घनसाली बाजार के साथ ग्रामीण क्षेत्र के लोगों की परेशानी बढ़ गई है। सिलिंडर लेने के लिए वह सुबह चार बजे से ही लाइन लगे थे। करीब 60 से अधिक लोगों को रसोई गैस नहीं मिल पाई है। भिलंगना ब्लॉक के क्षेत्रीय पूर्ति अधिकारी अमित भंडारी ने बताया कि रविवार को एक ट्रक 288 सिलिंडर के लेकर पहुंचा था। सोमवार को फिर से घनसाली सिलिंडर आएंगे। लोगों को रसोई गैस को लेकर घबराने की जरूरत नहीं है। रसोई गैस की कोई किल्लत नहीं है। उन्होंने बताया कि व्यवसायिक सिलिंडर पर फिलहाल रोक लगी है। इधर नरेंद्रनगर के लिए गैस बुकिंग के लिए 45 दिन रखे जाने से नरेंद्रनगर के लोगों में आक्रोश है। स्थानीय निवासी सूरत सिंह आर्य, मानवेंद्र रागंड का कहना कि नरेंद्रनगर ऐतिहासिक शहर है बावजूद प्रशासन ने शहर को ग्रामीण क्षेत्र के दायर में रखा है। जिस तरह अन्य शहरों के लिए 25वें दिन गैस बुकिंग का नियम रखा गया है वहीं नियम नरेंद्रनगर के लिए भी होना चाहिए। उन्होंने जिलाधिकारी से नरेंद्रनगर के लिए 25वें दिन रसोई गैस बुकिंग का समय रखे जाने की मांग की है।

एसएससी परीक्षा में नकल कराने वाले आरोपी की जमानत अर्जी खारिज

देहरादून। एसएससी की मल्टी टास्किंग और हवलदार परीक्षा में हाईटेक तरीके से नकल कराने के मामले में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट देहरादून की अदालत ने आरोपी की जमानत अर्जी खारिज कर दी है। आरोपी ने ऑनलाइन परीक्षा केंद्र में फर्श के नीचे चैंबर बनाकर नकल का धंधा चलाया था। अभियोजन पक्ष के अनुसार एमकेपी इंटर कॉलेज परिसर में वीएन सरीन सभागार स्थित परीक्षा लैब के पास यूपीएस रूम में बैटरियों के बीच एक अवैध अंडरग्राउंड चैंबर बनाया गया था। आरोपी नितीश कुमार 36 वर्ष निवासी देवरिया, यूपी पर रिमोट एक्सेस और आईटी उपकरणों का इस्तेमाल कर परीक्षा में नकल कराने का आरोप है। कोतवाली नगर पुलिस ने कुछ समय पहले आरोपी को गिरफ्तार करते हुए उसके खिलाफ आईटी एक्ट और सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम) की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया था। इसके बाद आरोपी जेल भेजा गया। उसकी जमानत अर्जी पर कोर्ट में सुनवाई हुई। आरोपी के अधिवक्ता ने अदालत में दलील दी कि उसे झूठा फंसाया गया है और उसका कोई पूर्व आपराधिक इतिहास नहीं है। अभियोजन अधिकारी अनूप सिंह ने जमानत का कड़ा विरोध करते हुए कहा कि आरोपी को गुप्त चैंबर की पूरी जानकारी थी और गैर प्रांत का होने के कारण उसके फरार होने की आशंका है।

कीर्तिनगर पशु चिकित्सालय में पशु लिफ्टिंग मशीन की मांग

श्रीनगर गढ़वाल। जिला पंचायत क्षेत्र मढ़ी चौरास की सदस्य निर्मला भंडारी ने पशु चिकित्सालय कीर्तिनगर में पशु लिफ्टिंग मशीन उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने इस संबंध में जिला चिकित्साधिकारी, पशु चिकित्सालय टिहरी को पत्र भेजा। उन्होंने कहा कि कीर्तिनगर पशु चिकित्सालय में वर्तमान में पशु लिफ्टिंग मशीन उपलब्ध नहीं है। घायल या बीमार पशुओं के उठने में असमर्थ होने पर उन्हें खड़ा करने के लिए इस मशीन की आवश्यकता पड़ती है। मशीन के अभाव में पशुओं के उपचार में दिक्कतें आती हैं और कई बार मशीन अन्य अस्पतालें से मंगानी पड़ती है जो हमेशा उपलब्ध नहीं हो पाती। उन्होंने शीघ्र कीर्तिनगर पशु चिकित्सालय में पशु लिफ्टिंग मशीन की व्यवस्था करने की मांग की।

फूल देई, छम्मा देई... गीतों के साथ देहरी पर डाले फूल

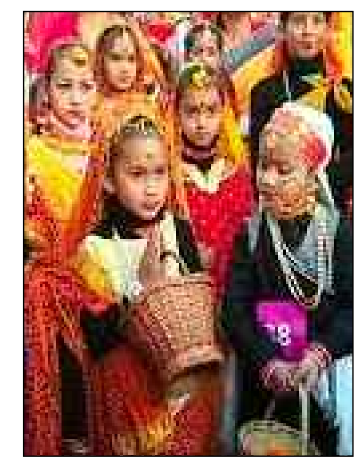

चमोली। उत्तराखंड का प्रसिद्ध लोकपर्व फूलदेई शुरू हो गया। रविवार को बच्चों ने फूल देई, छम्मा देई, दैणी द्वार, भर भकार समेत कई फूलदेई के गीत गाते हुए घरों की देहरी पर रंग बिरंगे फूल डाले। अगले एक सप्ताह तक बच्चे हर दिन घरों की देहरियों में फूल डालते रहेंगे। वसंत ऋतु के स्वागत में मनाया जाने वाला फूलदेई त्योहार हर्षोल्लास के साथ शुरू हुआ। पोखरी के गांवों में बच्चे बुरांस, फ्यूंली सहित कई तरह के फूल टोकरी में एकत्रित कर लाए और उन्हें आसपास के घरों की देहरी पर डाल दिया। फुल फुल माई दाल दे, चौंल दे, फूल्या फूल्या खाजा दे गाते हुए लोगों के घर पहुंचे। फुल्यारों की टोली को लोगों ने गुड़, दाल, चावल, मिठाई आदि सामग्री भेंट की। वहीं गोपेश्वर में बच्चे घोघा माई की डोली लेकर देहरियों पर फूल डालने गए। बच्चों ने गोपीनाथ मंदिर में भी फूल डाले। ग्रामीण व कस्बों में, चरण पादुका गोथल समिति गोपेश्वर ने भी पर्व मनाया। समिति की सचिव मीना तिवारी ने बच्चों के साथ यह पर्व मनाया। सिरोली गांव में विजय बिष्ट, मंडल की संगीता बिष्ट, ग्वाड़ गांव की महिला मंगल दल अध्यक्ष संतोषी कुंवर और गंगोलगांव में संगीता ने बच्चों को मिठाई दी। इधर नंदानगर में भी बच्चों ने घर की देहरियों पर फूल डाले।

नारायणबगड़। सुबह बच्चों ने हाथों में छोटी–छोटी टोकरियां लेकर घर–घर जाकर आंगन में फूल डालकर सुख शांति व समृद्धि की कामना की। कर्णप्रयाग के डिम्मर, नौटी, सिमली, लंगासू, सहित सभी गांवों में, देवाल के कोठी, नंदकेशरी, पूर्णा आदि गांव के बच्चों ने सुबह आठ बजे घरों की दहलीज पर फूल डाले। बच्चों को लोगों ने मिठाई व पकवान खिलाए। नारायणबगड़, आदिबदरी, गौचर सहित थराली, गैरसैंण और ग्वालदम में फूलदेई पर्व मनाया।

ग्रामीणों ने हरियाली के लिए जौ डाले

कर्णप्रयाग। विकासखंड के नंदा धाम नौटी में भगवती नंदा को चैत्र माह का आल कलेऊ देने वाले पर्व चैत्र संक्रांति से आगाज हो गया है। रविवार सुबह नंदा देवी मंदिर और गांव के सभी घरों में हरियाली के लिए जौ की बुआई की गई। ग्रामीणों ने गांव व मंदिर में मां भगवती नंदा के जयकारे लगाए। चैत्र माह में ध्याणियों को मायके से मेवा मिष्ठान, आभूषण, वस्त्र सहित अन्य तोहफे देने की परंपरा है। वहीं नौटी में मां नंदा को आल कलेऊ देने की परंपरा है। पहले मां नंदा को आल कलेऊ हरियाली के साथ अर्पित किया जाता है। इसके बाद ग्रामीण अपनी ध्याणियों से यह परंपरा शुरू करते हैं। मंदिर समिति के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह और मेला समिति के अध्यक्ष भुवन नौटियाल ने बताया कि 10वें दिन भगवती नंदा को चैत्र माह का उपहार दिया जाएगा। 21 से 23 मार्च तक सांस्कृतिक व खेलकूद प्रतियोगिताएं नौटी के खेल मैदान में होंगी

सिलिंडर लेने के लिए एजेंसी पर लग रही लाइन

चमोली। रसोई गैस सिलिंडर के लिए इन दिनों गैस एजेंसी पर भीड़ लग रही है। गोपेश्वर गैस एजेंसी की ओर से पिछले चार दिनों में 964 घरेलू गैस सिलिंडरों का वितरण किया जा चुका है। पूर्ति विभाग के अधिकारियों की देखरेख में सिलिंडर वितरित किए जा रहे हैं। रविवार को लगातार दूसरे दिन भी घिंघराण रोड पर स्थित नए बस अड्डे पर गैस सिलिंडरों का वितरण किया गया। यहां सुबह से ही लोग खाली सिलिंडरों के साथ पहुंचे थे। गोपेश्वर नगर क्षेत्र के साथ ही घिंघराण, रौली, ग्वाड़, देवर, खडोरा, नैल, कुड़ाव क्षेत्र के लोग भी रसोई गैस सिलिंडर भराने के लिए पहुंचे हुए थे। दिवाकर और हिम्मत सिंह का कहना है कि नगर क्षेत्र में घरेलू गैस की कोई किल्लत नहीं है। गैस एजेंसी के प्रबंधक संजय रावत का कहना है कि मांग के सापेक्ष घरेलू गैस सिलिंडरों की आपूर्ति सुनिश्चित कराई जा रही है। नगर के साथ ही समीपवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में गैस की कोई किल्लत नहीं होने दी जा रही है। प्रतिदिन आईओसी (इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन) की ओर से गैस सिलिंडरों की आपूर्ति कराई जा रही है। वहीं सिमली में इंडेन गैस एजेंसी ने 170 उपभोक्ताओं को सिलिंडर दिए। एजेंसी प्रबंधक सीएस कंडारी ने बताया कि लोगों को नियमित रूप से सिलिंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। ओटीपी में कुछ तकनीकी दिक्कतें आ रही हैं लेकिन रसोई गैस किल्लत नहीं है।

महड़ गांव में भी शराब पर लगी पाबंदी

रुद्रप्रयाग। विकासखंड अगस्त्यमुनि के ग्राम महड़ में महिला मंगल दल और ग्राम प्रधान की पहल पर गांव में शराबबंदी को लेकर सख्त नियम तय किए गए हैं।

यहां हुई बैठक में सामाजिक कार्यक्रमों में शराब के सेवन और परोसने पर रोक लगाने के लिए सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि शादी–विवाह, मुंडन और पितृ कार्य सहित किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम में यदि कोई व्यक्ति शराब पीकर पहुंचता है तो उस पर 11 हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।

वहीं कार्यक्रमों में शराब परोसे जाने पर 51 हजार रुपये जुर्माना लगेगा और उसका गांव से बहिष्कार किया जाएगा। इसके अलावा गांव में शराब पीकर हुड़दंग करने वालों पर 21 हजार रुपये जुर्माना लगाया जाएगा। गांव की सीमा में शराब बेचते पाए जाने पर भी 21 हजार रुपये का जुर्माना तय किया गया है। बैठक में प्रधान हरीश सिंह, महिला मंगल दल की अध्यक्ष सरोजनी देवी, सचिव जयंती देवी, रोशनी सती, हेमंत सिंह और नवीन सती आदि मौजूद रहे।

कई निजी स्कूलों में ली जा रही अनावश्यक धनराशि

श्रीनगर गढ़वाल। नगर क्षेत्र के निजी स्कूलों में विभिन्न मदों के नाम पर ली जा रही फीस को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

अभिभावकों का कहना है कि स्कूल पानी, बिजली, बिल्डिंग मेंटेनेंस, कंप्यूटर सहित अन्य खर्चों के नाम पर अतिरिक्त शुल्क जोड़कर मोटी रकम वसूल रहे हैं। आरटीआई कार्यकर्ता कुशलानाथ ने आरोपी लगाया कि कई निजी स्कूलों में रीएडमिशन फीस सीधे तौर पर न लेकर दूसरे नामों से वसूली जा रही है।

कई स्कूलों के अपने निजी भवन होने के बावजूद मेंटेनेंस शुल्क के नाम पर धनराशि लेना समझ से परे है। उन्होंने आरोप लगाया कि विकास शुल्क के नाम पर भी अभिभावकों से रकम ली जा रही है। बच्चों के भविष्य को देखते हुए अधिकांश अभिभावक खुलकर विरोध नहीं कर पा रहे हैं। कुशलानाथ ने कहा कि इस मामले को लेकर जल्द ही शिक्षा विभाग से बातचीत की जाएगी और यदि समाधान नहीं निकला तो धरना भी दिया जाएगा। वहीं खंड शिक्षा अधिकारी अश्विनी रावत ने कहा कि यदि कोई स्कूल छात्रों से किसी भी प्रकार का शुल्क लेता है तो उसे स्पष्ट रूप से बताना होगा कि वह किस मद में लिया जा रहा है। स्कूलों की ओर से ली जाने वाली राशि का पूरा विवरण देना अनिवार्य है ताकि अभिभावकों को पारदर्शिता के साथ जानकारी मिल सके।

डिप्लोमा फार्मेसी एसोसिएशन के नारायण सिंह नेगी बने अध्यक्ष

रुद्रप्रयाग। डिप्लोमा फार्मेसी अधिकारी एसोसिएशन रुद्रप्रयाग का एक दिवसीय अधिवेशन सौड़ी में रविवार को दो सत्रों में हुआ। दूसरे सत्र में संघ की नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से चुनाव किया गया जिसमें नारायण सिंह नेगी को फिर जिलाध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया। अधिवेशन के प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राम प्रसाद ने फार्मासिस्टों से अपने कर्तव्यों और अधिकारों के प्रति ईमानदारी से कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि केदारनाथ यात्रा और जिले के स्वास्थ्य केंद्रों की जिम्मेदारी फार्मासिस्टों पर रहती है इसलिए उनकी भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। वहीं द्वितीय सत्र में संघ की कार्यकारिणी का निर्विरोध निर्वाचन हुआ। इसमें महेंद्र सिंह नेगी को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, गोपाल रौतेला को उपाध्यक्ष, विजेंद्र गुसाईं को कोषाध्यक्ष, शशि भूषण गौड़ को जिला मंत्री, धीरेंद्र गोस्वामी को संगठन मंत्री, जगदीश चंद्रा को संयुक्त मंत्री और रीना चौहान को संप्रेक्षक बनाया गया। अध्यक्ष चुने जाने पर नारायण सिंह नेगी ने कहा कि वे पूरी निष्ठा से संगठन की जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे। इस अवसर पर मंडलीय सचिव मुकेश नौटियाल ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। कार्यक्रम में सीएमएस डॉ. एसके द्विवेदी, उप मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सीमा टेकचंदानी, सीएचसी अगस्त्यमुनि की अधीक्षक डॉ. हेमा असवाल, मंडलीय अध्यक्ष जेपी टम्टा, प्रांतीय कोषाध्यक्ष प्रदीप रावत, उपाध्यक्ष अशोक शास्त्री, कुलदीप रावत आदि मौजूद रहे।

लोक अदालत में 164 मामलों का निस्तारण

रुद्रप्रयाग। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से जनपद न्यायालय रुद्रप्रयाग तथा बाह्य न्यायालय ऊखीमठ में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत में विभिन्न वादों का आपसी सुलह–समझौते के आधार पर 164 मामलों का निस्तारण किया गया। बैंक से जुड़े प्री–लिटिगेशन के 42 मामलों का निस्तारण करते हुए 17,99,700 रुपये की समझौता राशि वसूल की गई। जिला एवं सत्र न्यायाधीश सहदेव सिंह तथा सदस्य अधिवक्ता विनोद कुमार खंडूड़ी की ओर से 5 वादों का निस्तारण कर 1,20,0000 रुपये की समझौता राशि वसूल की गई। वहीं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अशोक कुमार तथा सदस्य अधिवक्ता सुशील चंद्र भट्ट की पीठ की ओर से 102 वादों का निस्तारण कर 33,92,800 रुपये की राशि वसूली गई।

खटीमा भ्रमण के दौरान सीएम ने जनसमस्याएं सुनी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने खटीमा भ्रमण के दौरान रविवार को नगला तराई व हेलीपैड, लोहियाहेड में जनप्रतिनिधियों व जनता से मुलाकात कर जनसमस्याएं सुनी तथा समस्याओं का समाधान करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा जनसमस्याओं का निराकरण सरकार की प्राथमिकता है इसलिए अधिकारी जन समस्याओं का त्वरित समाधान करें। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, अध्यक्ष नगर पालिका खटीमा रमेश चंद्र जोशी, नानकमत्ता प्रेम सिंह टूरना, दर्जा मंत्री अनिल कपूर डब्बू,सतीश भट्ट , जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया,वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति, व अन्य लोग उपस्थित थे।

फूलदेई को बड़े हर्षोल्लास और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया

जयन्त प्रतिनिधि

देहरादून, सनातन धर्म इंटर कॉलेज (बन्नू), रेसकोर्स देहरादून में आज 15 मार्च को चैत्र संक्रांति के पावन अवसर पर उत्तराखंड के प्रसिद्ध लोकपर्व फूलदेई को बड़े हर्षोल्लास और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राइमरी अनुभाग के विद्यार्थियों ने विद्यालय के समीप स्थित बन्नू कॉलोनी के 200 से अधिक परिवारों की देहरियों पर फूल बिखेरकर सभी के सुख, समृद्धि और मंगल की कामना की। विद्यालय द्वारा विगत कई वर्षों से इस लोकपर्व को अत्यंत उत्साह और भव्यता के साथ मनाया जाता रहा है। इस आयोजन को हर वर्ष बड़े स्तर पर आयोजित करने का मुख्य कारण विद्यालय के निकट स्थित बन्नू कॉलोनी के निवासियों का इस पर्व के प्रति विशेष प्रेम तथा फुलारियों के प्रति उनका स्नेह और सम्मान है।

बन्नू कॉलोनी के निवासियों द्वारा श्रद्धा और आस्था के साथ गोगा माता की डोली और फुलारियों का किया जाने वाला सम्मान इस बात का प्रमाण है कि विकास की राह में अपने मूल स्थानों से दूर आने के बावजूद लोगों के मन आज भी पहाड़ी संस्कृति, परंपराओं और आस्था से गहराई से जुड़े हुए हैं।

इस अवसर पर प्राइमरी अनुभाग के विद्यार्थियों एवं कॉलोनी के बच्चों द्वारा कॉलोनी के मंच पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। कॉलोनी समिति द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम के सभी प्रतिभागियों को नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया तथा उपस्थित विद्यार्थियों और शिक्षकों को जलपान भी कराया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में सोनिया, अदिति, प्रिंस और आरव द्वारा प्रस्तुत नृत्य को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। समिति द्वारा इन चारों प्रतिभाशाली बच्चों को नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

विद्यालय के कार्यक्रमों की सफलता में समर्पित और कर्तव्यनिष्ठ शिक्षकों की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। इस कार्यक्रम के सफल संचालन में कल्पना सेमवाल मैडम के मार्गदर्शन में सुनीता गुसाईं मैडम, रुक्मणि कटारिया मैडम, कोमल दिवाकर मैडम, प्रिया मैडम, आभा चमोली मैडम और दिव्या ममगाईं मैडम ने सराहनीय योगदान दिया।

फूलदेई पर्व के इस पावन अवसर पर उपरोक्त शिक्षकों के अतिरिक्त रविंद्र भट्ट सर, राजेंद्र प्रसाद सर, रीना राणा मैडम, नारायण सर, निर्मला नेगी मैडम, मटेला सर, अंजलि नौटियाल मैडम तथा शिक्षणेत्तर कर्मचारी श्री नीरज पंवार और मीना थापा भी उपस्थित रहे।

रविवार के अवकाश के बावजूद विद्यालय में उपस्थित होकर लोकपर्व फूलदेई कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी साथियों के प्रति विद्यालय प्रशासन ने हृदय से आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर बन्नू कॉलोनी समिति की अध्यक्ष श्रीमती कुसुम बर्तवाल, उपाध्यक्ष मुन्नी पाठक, सचिव तरूणी तिवारी, कोषाध्यक्ष बिजना देवी, संगठन मंत्री श्रीमती शिल्पा नेगी, पूर्व अध्यक्ष कामिनी मोहन नौटियाल, श्री प्रदीप ध्यानी, श्री मनमोहन सिंह बटकोरा सहित कॉलोनी के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में सभी को लोकपर्व फूलदेई की हार्दिक शुभकामनाएँ दी गईं।

जयन्त
संस्थापक
नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक और सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
द्वारा जयन्त प्रकाशन डिग्री कॉलेज रोड, जौनपुर कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा जयन्त कार्यालय चन्द्रसिंह गढ़वाली मार्ग, गैरसैंण, जनपद चमोली उत्तराखण्ड से प्रकाशित
RNI No.UTTHIN/2005/16338